

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के श्रीरामपुर में रैली से पहले राजनीतिक तनाव बढ़ा



एजेसी ►► हुगली

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के श्रीरामपुर में पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की रैली से पहले राजनीतिक तनाव बढ़ गया। शनिवार को रैली में शामिल होने जा रहे टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर अंडे फेंके जाने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि घटना उत्तरपाड़ा इलाके में हुई। यहां लोगों ने पूर्व सीएम ममता के खिलाफ काले झंडे दिखाए और नारे लगाए।

उत्तरपाड़ा इलाके की बताई जा रही यह घटना



कार को रोका गया और उस पर अंडे फेंके गए शिकायत करेंगे: कुणाल

कुणाल घोष ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि उनकी कार को रोका गया और उस पर अंडे फेंके गए। उन्होंने कहा कि मौके पर पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थे। घोष ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराने की बात भी कही है। टीएमसी नेताओं ने घटना के पीछे भाजपा का हाथ होने का आरोप लगाया है।

भाजपा के हाथ होने का आरोप लगाया

टीएमसी कार्यकर्ताओं को रास्ते में रोका जा रहा, मारपीट की जा रही

पूर्व मुख्यमंत्री ममता ने कुणाल पर कथित हमले पर लोगों से बंगाल में शांति बनाए रखने और परेशानी खड़ी नहीं करने की अपील की। ममता ने कहा कि कोर्ट के आदेश के अनुसार श्रीरामपुर में शनिवार को सभा हो रही है, लेकिन टीएमसी कार्यकर्ताओं को रास्ते में रोका जा रहा है और उनके साथ मारपीट की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमला किया।



पुलिस ने 150 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

रैली से एक दिन पहले टीएमसी ने दावा किया था कि पुलिस ने जिले में पार्टी के 150 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। इनमें महिलाएं भी हैं। टीएमसी सांसद कल्याण बेनर्जी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। वहीं, पुलिस ने दो टीएमसी कार्यकर्ताओं को कथित जबरन वसूली के मामलों में गिरफ्तार किया था। टीएमसी नेताओं ने पुलिस पर रैली में बाधा डालने का आरोप लगाया।

खबर संक्षेप

कल्कि पीठाधीश्वर

आचार्य प्रमोद को धमकी

संभल। कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शनिवार को दावा किया कि खालिस्तानी



संगठन बब्बर खालसा के सरगना कुलवीर सिंह सिद्धू ने उन्हें आडियो संदेश भेजकर जान से मारने की धमकी दी है। उन्हें कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय नंबर से फोन आ रहा था। उन्हें पंजाबी भाषा में एक आडियो संदेश मिला।

राम दान की लूट: अविनाश ने की 85 बार चोरी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी में एक और खुलासा हुआ है।

चार्जशीट में आरोपी अविनाश

शुक्ला फुटेज में 85 बार रकम चोरी करते दिखाई दिया है। चार्जशीट में 25 से 30 जुलाई के फुटेज में भी चोरी का उल्लेख किया गया है। अनुकल्प मिश्रा के मोबाइल से अविनाश और लवकुश के साथ रकम पर टेक्स्ट संदेश मिले।

भारत 10% की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करेगा

बेगलुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को भरोसा जताया कि भारत 10 प्रतिशत से



अधिक की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और नवाचार को बड़े पैमाने पर अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। आईआईटी मद्रास पूर्व छात्र संघ की परिचर्चा में उन्होंने यह बात कही।

गुवाहाटी के होमस्टे में मिली छात्रा की लाश

गुवाहाटी। यूनिवर्सिटी की छात्रा निमिषा ठाकुरिया शनिवार सुबह गुवाहाटी के अजारा इलाके में एक होमस्टे में बेहोश पाई गई थी, बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने धारापुर के पास हाइवे-17 को जाम कर दिया और मौत की परिस्थितियों की गहन जांच की मांग की।



उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम ने करवट ली

बारिश के बीच पहाड़ों पर हुई बर्फबारी से यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब का नजारा बदल गया है। सफेद बर्फ से ढके पहाड़ और बारिश के बीच धामों में बड़ी ठंड की तस्वीरें सामने आई हैं। यमुनोत्री धाम सहित यमुना घाटी में शनिवार सुबह से झमाझम बारिश होतीरही। यमुनोत्री धाम के आसपास के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हुई है। टोंप, सप्त ऋषि कुंड, बंदरपूंछ और गरुड़ गंगा क्षेत्र में हिमपात की सूचना है। बारिश और बर्फबारी से यमुनोत्री धाम में सदी बढ़ गई है।

बदला नजारा



आधा फीट से अधिक बर्फ जमी

हेमकुंड साहिब क्षेत्र में भी बर्फबारी हुई है। यहां आधा फीट से अधिक बर्फ जम गई है। पुलिस और एसडीआरएफ के जवान पहुंचे हैं। श्रद्धालुओं को सुरक्षा दी जा रही है।



रैली के पहले हो गया बवाल, कुणाल घोष की कार पर फेंके गए अंडे और ममता के खिलाफ लहराए गए काले झंडे, भाजपा पर ‘तमतमाई’ पूर्व सीएम

ममता ने भी सरकार पर लगाए आरोप

ज्ञानेश के खिलाफ मोर्चाबंदी की तैयारी कर रहा संपूर्ण विपक्ष

ममता से माकपा की नेता ने की बात



एजेसी ►► नई दिल्ली

विपक्षी दलों के इंडिया गुट में शामिल कई पार्टियां 30 सितंबर को नई दिल्ली में बैठक कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि बैठक में चुनाव आयोग और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की लेकर उठ रहे सवाल के साथ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है। यह प्रस्तावित बैठक एसआईआर प्रक्रिया के कुछ पहलुओं को लेकर चुनाव आयोग के भीतर मतभेद की खबरों के बाद विपक्षी दलों के बीच बड़े समन्वय के बीच होने जा रही है। ये एक-दूसरे के संपर्क में हैं और संयुक्त प्रतिक्रिया पर चर्चा कर रहे हैं। माकपा, भाकपा और भाकपा माले लिबरेशन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और एसआईआर पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। कांग्रेस ने भी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपना हमला तेज किया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 29 सितंबर को होने वाली है।

पटना में सीजेआई ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर कहा

चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में यह बात कही

एजेसी ►► पटना

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने देश भर में हो रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर दो टूक लहजे में कहा है कि न्यायपालिका छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध करने के मौलिक अधिकार की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने साफ किया है कि अगर इसका उल्लंघन होता है तो अदालतें चुप नहीं बैठेंगी। शनिवार को पटना के चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में सीजेआई ने यह बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे खुले तौर पर सवाल-जवाब का सत्र पसंद करते हैं। एक छात्र ने सीजेआई से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों पर पुलिस की प्रतिक्रिया पर सवाल पूछा था।

हम अधिकारों की रक्षा करेंगे, शांतिपूर्ण प्रदर्शन का उल्लंघन नहीं होना चाहिए

अदालतें चुप नहीं बैठेंगी

छात्रा के सवाल का संकेत नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए सीजेआई के प्रदर्शनों से था। छात्रा के सवाल पर सीजेआई ने



कहा कि अगर पुलिस पर छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बेरहमी से दबाने का आरोप है तो अदालतें इस मामले में चुप नहीं बैठेंगी। उन्होंने छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार की रक्षा के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। एक अन्य छात्र ने सवाल किया कि कॉलेजियम में अलग राय होने के बावजूद उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जाता था।

चुनाव आयोग ने कहा

अलग-अलग विचार और टिप्पणियां आना सामान्य संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा

चुनाव आयोग ने कहा है कि किसी बहुसदस्यीय संस्था में अलग-अलग विचार और टिप्पणियां आना सामान्य संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा है। आयोग ने यह भी कहा है कि उसके आदेशों को पूरी कानूनी मंजूरी हासिल है और वे वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप हैं।

ज्ञानेश को हटाने की कवायद की जा रही

विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की कवायद पर काम कर रहे हैं। कानूनी विशेषज्ञों से जांच के बाद इसे संसद के दोनों सदनों में पेश किए जाने की संभावना है। विपक्ष की ओर से ऐसा यह तीसरा प्रयास होगा। विपक्षी दलों की ताजा लामबंदी इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के बाद तेज हुई है।

सीजेपी प्रमुख दीपके की चेतावनी ‘शनिवार तक इस्तीफा दें ज्ञानेश नहीं तो 2 से होगा प्रदर्शन



सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर सीईसीशनिवार तक इस्तीफा नहीं देते हैं, तो पार्टी 2 अक्टूबर से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी।

प्रधानमंत्री से मिले योगी

लंबी बैठक में चुनाव समेत कई मुद्दों पर की ‘गुप्तगू’

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। लंबी



बैठक में यूपी चुनाव की रणनीति के साथ राज्यसभा और एमएलसी चुनाव पर चर्चा की। अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ये बैठक काफी अहम मानी जा रही है। क्योंकि यूपी चुनाव से पहले अक्टूबर में यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर 16 को वोटिंग होगी। योगी ने एक्स पर लिखा कि आपका मार्गदर्शन ‘नए उत्तर प्रदेश’ के निर्माण को मुझे सदैव नई ऊर्जा देता है।

नए मौसम तंत्र से बढ़ी बारिश: मौसम वैज्ञानिक

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बंगाल की



खाड़ी में बने नए मौसम तंत्र के पश्चिमी विक्षोभ के साथ मिल जाने से उत्तर प्रदेश में बारिश के तेवर और तीखे हुए हैं। बारिश के कारण अधिकतर क्षेत्रों में तापमान में गिरावट आई है। हिमाचल में भी कई शहरों में बादलों का साथया है।

भाजपा प्रवक्ता पात्रा का हमला

कांग्रेस ने ‘ईसी’ को कठपुतली बनाया, करती थी सीधी नियुक्ति

सुंदरम से लेकर चावला तक का नाम गिनाया

आज नियुक्ति में विपक्ष की भी भूमिका तय



एजेसी ►► नई दिल्ली

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और एसआईआर को लेकर जारी राजनीतिक बहस के बीच भाजपा सांसद संबित पात्रा ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन चावला की नियुक्ति का जिक्र करते हुए कांग्रेस के चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोपों पर सवाल उठाए। पात्रा ने कहा कि मोदी सरकार ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता को मजबूत किया है, जबकि कांग्रेस ने 50 साल में चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया था। उन्होंने के वी के सुंदरम से लेकर नवीन चावला तक उन सभी पूर्व चुनाव आयुक्तों के नाम गिना दिए। ये भी बताया कि कांग्रेस ने रियारमेंट के बाद इन चुनाव आयुक्तों को कौन कौन से पद दिए? कैसे उपकृत किया। पात्रा ने कहा कि हकीकत ये है कि कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है। इसलिए अब कांग्रेस के नेता खिसियाहट में नेता प्रतिपक्ष को भी भाजपा पर अनाप-शनाप आरोप लगाते हैं।

विपक्ष ने ‘हाईजैक’ का आरोप लगाया है

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों की रिपोर्ट पर विपक्ष सवाल उठा रहा है। यह सफेक अखबार में छपी एक खबर के बाद शुरू हुआ। इस खबर में चुनाव आयोग की अंदर की लड़ाई सामने आ गई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर चुनाव आयोग को हाईजैक करने का आरोप लगा। इल्जाम लगाने वाले उनके अपने साथी दो इलेक्शन कमिश्नर हैं। उनका आरोप है कि ज्ञानेश मममजी से चुनाव आयोग चलाते हैं। बाक़ी 2 चुनाव आयुक्तों की सलाह नहीं सुनते।

मुंबई में 21 घंटे होता रहा विसर्जन



‘लालबागचा राजा’ विसर्जित

मुंबई। शनिवार को मुंबई के गिरगांव चौपाटी पर गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान विसर्जन के लिए ले जाई जा रही भगवान गणेश की प्रतिमा ‘लालबागचा राजा’। यहां पर गणेश विसर्जन को 21 घंटे तक लग चुके हैं।

शाह ने केरल में विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन किया

महिला सशक्तीकरण का किया बख़्ताब

एजेसी ►► कोल्लम (केरलम)

सहकारिता से महिला सशक्तीकरण के लिए केंद्र सरकार लाई ‘कई योजनाएं’

सरकार महिलाओं के विकास को प्रतिबद्ध



शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10-12 वर्षों के दौरान मातृशक्ति को बढ़ावा देने औरसशक्तीकरण के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए गए हैं। महिला कामगारों को उपलब्ध कराई गई विभिन्न सुविधाओं के कारण श्रम बल में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है। लगभग 36 करोड़ महिलाओं के बैंक खाते खोले गए हैं। प्रधानमंत्री ने ‘तीन तलाक’ पर प्रतिबंध लगाने का कदम उठाया। अब वे बिना किसी पुरुष साथी के भी यही रीथयात्रा कर सकती हैं। भारतीय सशस्त्र बलों में 11,000 से अधिक बेटियां अधिकारी के रूप में सेवा दे रही हैं। सवैतनिक मातृत्व अवकाश को बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से महिला सशक्तीकरण प्रधानमंत्री के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। शाह ने कुंडारा में राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ लिमिटेड के तहत सहकारी क्षेत्र में महिला सशक्तीकरण को मजबूत करने बढ़ावा देने के उद्देश्य से सहकारी समितियों की विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा कि किसानों और सहकारी क्षेत्र से जुड़े लोग आजादी के बाद से ही अलग सहकारिता मंत्रालय बनाए जाने की मांग कर रहे थे, प्रधानमंत्री ने अलग मंत्रालय बनाया। ग्रामीण और कृषि विकास, महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया।



हैदराबाद में गणपति बापा की 33000 से अधिक मूर्तियों का चल समारोह निकाल कर हुसैन सागर लेक में विसर्जन किया गया। ये शनिवार की तड़के 5 बजे तक चला। 25-30 हजार पुलिसकर्मी सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था संभालने में लगाए गए थे। 24 झेन और 10 हजार सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए। इस समारोह आम ट्रैफिक में कहीं दिक्कत नहीं हुई। समारोह के बाद खुद पुलिसवाले भी झूम उठे। क्या भोपाल हैदराबाद से यह व्यवस्था नहीं सीख सकता है? कोशिश तो कीजिए....

खबर संक्षेप

एआई से किताब लिखने के आरोप में गोनकोर्ट की रेस से बाहर पेरिस। कनाडाई लेखक थेलीसन ओरेलियन की किताब इट वॉज ईदर दैट ऑर डाई को फ्रांस के प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कार 'प्रिक्स गोनकोर्ट' की दौड़ से बाहर कर दिया गया है। उन पर किताब में एआई की मदद लेने का आरोप है। ओरेलियन ने आरोप से इनकार किया है।

नाबालिग से शादी रेप केस में बचाव नहीं: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 वर्षीय लड़की से रेप के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज केस रद्द करने से इनकार कर दिया। जस्टिस संजीव नरुला ने आदेश में कहा कि नाबालिग से शादी आरोपी को कानूनी कार्रवाई से नहीं बचा सकता। दावा था कि मुस्लिम रीति से हुई शादी के बाद लड़की उसकी कानूनी पत्नी है।

जमानत राशि बढ़कर हुई 32 हजार

हरिभूमि न्यूज | जबलपुर

अगले साल होने वाले नगरीय निकाय चुनाव से पहले मध्यप्रदेश सरकार ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए नियम बदल दिए हैं। महापौर और नगरपालिका अध्यक्ष का चुनाव लड़ने के लिए अब 60% ज्यादा जमानत राशि जमा करनी होगी। महापौर की जमानत राशि 20 हजार से बढ़ाकर 32 हजार और नपा अध्यक्ष की 15 हजार से बढ़ाकर 24 हजार कर दी गई है। 2022 के नगरीय निकाय चुनाव में दोनों पदों के लिए यही पुरानी राशि लागू थी। इसके साथ ही महापौर,

3 की हालत गंभीर, 8 युवक पंडाल में सोए थे मंडला में गणेश पंडाल में करंट लगने से 4 मौतें

मंडला। नैनपुर क्षेत्र के हीरापुर गांव में शनिवार सुबह हादसा हुआ। गणेश मंच के पंडाल में सो रहे युवकों पर बिजली का तार टूटकर गिर गया। करंट फैलने से चार युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। इनमें एक की हालत गंभीर है, जिसे जिला अस्पताल भेजा गया है। मौतकों में रवि झरिया (24), पिता कल्लू झरिया, ग्राम कोटवार का बेटा था और मजदूरी करता था। जेजू भांवर (19), पिता मुकेश भांवर,

मजदूरी करता था। कृष्ण कुमार भांवर (18), पिता दिलीप, पढ़ाई के साथ



कृष्ण रवि जेजू वीरेंद्र मजदूरी करता था। वहीं वीरेंद्र भांवर (24), पिता सोनू, भी मजदूरी करता था।

गणेश विसर्जन के बाद तालाब में लगाई थी छलांग डूबने से युवक की मौत...लिव-इन पार्टनर वीडियो बनाती रह गई



युवक बोला था- तैरना आता है

उज्जैन। मक्सी रोड पंचक्रोशी मार्ग के पास उंडासा तालाब में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। युवक शुक्रवार शाम गणेश प्रतिमा विसर्जन के बाद नहाने के लिए तालाब में उतरा था। उसकी लिव-इन पार्टनर किनारे खड़ी होकर मोबाइल से वीडियो बना रही थी। मृतक की पहचान पंवासा की सत्संग गली निवासी गोलू उर्फ सागर (32) के रूप में हुई है। गोलू बापू नगर में किराए का कमरा लेकर अपनी महिला मित्र के साथ रहता था। वीडियो में गोलू तैरकर बीच में स्थित एक टापू पर पहुंचकर बैठता दिखाई दे रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि पानी में आगे बढ़ने के बजाए वह एक ही जगह हाथ-पैर मारने लगा। और देखते ही देखते डूब गया।

ग्वालियर में क्षेत्रीय न्यायिक सम्मेलन में जुटे 4 राज्यों के न्यायिक अधिकारी

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा-डीपफेक से असली और नकली साक्ष्य पहचानना चुनौती

► उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारी डिजिटल साक्ष्यों की जटिलताओं को समझने और बदलती तकनीक के अनुसार कानूनों की व्याख्या करें ► सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने



हरिभूमि न्यूज | ग्वालियर
यहां क्षेत्रीय न्यायिक सम्मेलन के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि सोशल मीडिया, यूट्यूब और डीपफेक तकनीक के दौर में वास्तविक और कृत्रिम सामग्री में अंतर करना चुनौती बन गया है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों से डिजिटल साक्ष्यों की जटिलताओं को



समझने और बदलती तकनीक के अनुसार कानूनों की व्याख्या करने पर जोर दिया। सम्मेलन में चार राज्यों के न्यायिक अधिकारी शामिल हुए। गराजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार से दो दिवसीय वेस्ट जोन रीजनल ज्यूडिशियरी कॉन्फ्रेंस (पश्चिम क्षेत्रीय न्यायिक सम्मेलन)

शुरू हुई है, जिसमें मध्य प्रदेश सहित चार राज्यों के जज और न्यायिक अधिकारी शामिल होने पहुंचे हैं। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने। इस सम्मेलन में मुख्य रूप से ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डीपफेक के खतरों और देश के नए कानूनों पर गहन चर्चा की जा रही है।

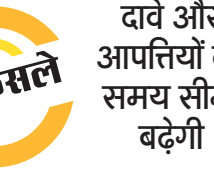
आपसी मतभेद की खबरों के बीच सीईसी के साथ दोनों चुनाव आयुक्तों की बड़ी बैठक

चुनाव आयोग ने अंदरूनी कामकाज से जुड़े विवाद पर स्थिति स्पष्ट की

जिन लोगों के नाम कटे उनके घर जाकर बीएलओ 'दस्तावेज' लेंगे

एजेसी | नई दिल्ली

विपक्ष के वोट चोरी के आरोप और आयुक्तों में टकराव की खबरों के बीच सीईसी के साथ दोनों चुनाव आयुक्तों की बड़ी बैठक शनिवार को निर्वाचन सदन में हुई। स बैठक में दिल्ली और महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियों की समय सीमा बढ़ाने के साथ ही, कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। एसआईआर के दौरान जिन लोगों को नाम मैप नहीं होने या रिकॉर्ड में गड़बड़ी के कारण नोटिस भेजा गया है, बीएलओ उनके घर जाकर जरूरी दस्तावेज जमा करेंगे। साथ ही, इन दस्तावेजों को ईसीआईनेट पर अपलोड किया जाएगा। ताकि ईआरओ उनके आधार पर फैसला ले सकें। ऐसे लोगों को सुनवाई के लिए ईआरओ या आईआरओ के ऑफिस बुलाने की जरूरत नहीं होगी। सिर्फ खास मामलों में ही सुनवाई होगी और यह ज्यादातर ऑनलाइन ही होने वाली है। डीईओ (जिला चुनाव अधिकारी) जरूरत के हिसाब में नाइट शेल्टर में रहने वाले लोगों, मजदूरों, गरीबों और बेघर लोगों के लिए पर्याप्त हेल्प डेस्क या स्पेशल कैंप लगाएंगे।



एसएस संघू, ज्ञानेश कुमार एवं डॉ. विवेक जोशी

दिल्ली और महाराष्ट्र में एसआईआर के दौरान दावे और आपत्तियों की समय सीमा बढ़ेगी

फैसला लिया गया कि डीईओ (जिला चुनाव अधिकारी) जरूरत के हिसाब में नाइट शेल्टर में रहने वाले लोगों, मजदूरों, गरीबों और बेघर लोगों के लिए पर्याप्त हेल्प डेस्क या स्पेशल कैंप लगाएंगे

आईटी डिविजन की निगरानी नहीं हटाई

चुनाव आयोग ने अंदरूनी कामकाज से जुड़े विवाद के बीच कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र और आईटी डिविजन की निगरानी को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। आयोग ने कहा कि पत्र किसी नीति या आईटी डिविजन से संबंधित नहीं था और आईटी डिविजन की निगरानी कभी वापस नहीं ली गई। यह पत्र प्रतिनिधुक्ति पर आयोग में काम कर रहे एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित था। संबंधित अधिकारी ने काम के पुनर्वितरण से जुड़े जो आदेश जारी किए थे, उन्हें वास्तव में लागू नहीं किया गया। दोनों चुनाव आयुक्तों के आदेश के बाद काम के पुनर्वितरण वाले आदेशों को लागू नहीं किया गया था।

ईसीआईनेट की एक विशेषज्ञ कमेटी जांच करेगी

एसआईआर के लिए फ़ॉर्म 6 के साथ लगे घोषणा-पत्र को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है। एसआईआर के अलावा बाकी समय के लिए, नियमों (मतदाता पंजीकरण नियम 1960) के अनुसार लागू फ़ॉर्म का इस्तेमाल किया जाएगा। सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर की अध्यक्षता वाली एक कमेटी, जिसमें आईआईटी व ट्रिपलआईटी का एक स्वतंत्र एक्सपर्ट भी शामिल होगा, ईसीआईनेट की समीक्षा करेगी। यह कमेटी दोबारा जांच करेगी कि क्या यह सिस्टम कानूनों और नियमों के प्रावधानों का पालन करता है।

दिल्ली और महाराष्ट्र में समय सीमा बढ़ी

दिल्ली में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर, 2026 तक कर दी गई है। वहीं, इसके निपटारी की समय-सीमा 30 नवंबर, 2026 तक कर दी गई है।

बहुमत से हुआ था फैसला

चुनाव आयोग के मुनाबिक एसआईआर को लेकर पहला आदेश 24 जून 2025 को जारी किया गया था। इसकी शुरुआत बिहार से इसके बाद पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी आदेश जारी किए गए।

कानपुर-सागर नेशनल हाईवे पर हादसा बोलेरो-ट्रक की भिड़ंत में 5 की मौत, परिवार पर टूटा कहर

हरिभूमि न्यूज | छतरपुर

कानपुर-सागर नेशनल हाईवे पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। मातृगुवां थाना क्षेत्र के चौका गांव के पास तेज स्फार बोलेरो और ट्रक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई।



दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त बोलेरो रूप से घायल हुए हैं। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक के बाद बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग वाहन में फंस गए।

हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में पांच लोगों की मौत होने की सूचना है, जबकि कई लोग गंभीर

ॐ पितृभ्यः स्वधा नमः...



शीतलदास की बगिया में किया गया पितृ तर्पण

भोपाल। शीतल दास की बगिया स्थित बड़े तालाब में शनिवार को बड़ी संख्या में लोगों ने पितरों को तर्पण किया। प्रातः से ही घाटों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जल में आचमन कर अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते रहे। पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच पिंडदान कर पितरों को स्मरण किया। प्रशासन ने सुरक्षा एवं व्यवस्था के लिए विशेष प्रबंध किए थे।

महापौर-नपा अध्यक्ष का चुनाव लड़ना अब 60% हो गया महंगा

हरिभूमि न्यूज | जबलपुर

अलग बैंक खाता जरूरी इसी से करना होगा खर्च

नगरपालिका और नगर परिषद अध्यक्ष तथा पार्षद पद के उम्मीदवारों के चुनावी खर्च के लिए अलग और स्वतंत्र बैंक खाता जरूरी होगा। नामांकन-पत्र पेश करते समय उम्मीदवार को इस खाते की जानकारी रिटर्निंग ऑफिसर को देनी होगी। नगरीय विकास एवं आवास



विभाग ने मध्यप्रदेश नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1994 में संशोधन किया है। उम्मीदवारों को निर्वाचन व्यय का लेखा प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इसमें नामांकन-पत्र दाखिल करने की तारीख से लेकर मतगणना की तारीख तक किया गया संबंधित चुनावी खर्च शामिल होगा।

4 नाबालिग लड़कियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस

हरिभूमि न्यूज | छतरपुर

छतरपुर जिले के न्यू कॉलोनी स्थित 'वन स्टॉप सेंटर' (सखी केंद्र) से एक रंगटे खंडे कर देने वाली और शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां रह रही एक नाबालिग युवती के साथ वहीं रह रही अन्य नाबालिग लड़कियों ने विवाद के चलते जमकर मारपीट की और बर्बरता की सारी हदें पार करते हुए उसके प्राइवेट पार्ट में दूधब्रश डाल दिया। पीड़िता की हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और महिला एवं बाल

छतरपुर के 'वन स्टॉप सेंटर' में 2 नाबालिग बच्चियों के साथ दरिदगी

4 साथी बच्चियों ने घेरकर मारा, आंख और पेट पर भी वार किए... प्राइवेट पार्ट में डाला दूधब्रश

हरिभूमि न्यूज | छतरपुर

छतरपुर जिले के न्यू कॉलोनी स्थित 'वन स्टॉप सेंटर' (सखी केंद्र) से एक रंगटे खंडे कर देने वाली और शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां रह रही एक नाबालिग युवती के साथ वहीं रह रही अन्य नाबालिग लड़कियों ने विवाद के चलते जमकर मारपीट की और बर्बरता की सारी हदें पार करते हुए उसके प्राइवेट पार्ट में दूधब्रश डाल दिया। पीड़िता की हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और महिला एवं बाल

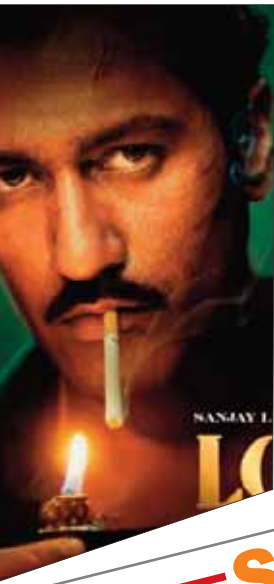


अस्पताल में उपचार के दौरान का दृश्य

विकास विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले में 4 नाबालिग लड़कियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वन स्टॉप सेंटर में रात के समय किसी आपसी बात को लेकर नाबालिग लड़कियों के बीच विवाद हो गया था। सुबह जब पीड़िता की तबीयत ज्यादा बिगड़ी, तो आनन-फानन में उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस की टीम अब वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारियों और अधिकारियों के बयान दर्ज कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि घटना के वक्त सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई।

सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी की जांच होगी

एसपी रजत सकलेचा ने बताया कि मारपीट करने वाली सभी आरोपी नाबालिग हैं। इसलिए, उनके खिलाफ किशोर न्याय व्यवस्था के तहत कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद सरकार की महिला सहायता केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच की जा रही है। सुरक्षा के लिए होमगार्ड कर्मियों के साथ प्राइवेट गार्ड भी तैनात हैं। सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं।



‘लव एंड वॉर’ से विक्की कौशल का धांसू अवतार

मुंबई। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के पहले पोस्टर जारी होने के बाद अब संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म ‘लव एंड वॉर’ से विक्की कौशल का पहली झलक भी सामने आ गई है। इस पीरियड वॉर ड्रामा का निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म ‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ के बाद ये

भंसाली की बतौर निर्देशक अगली बड़ी फिल्म है, जिसकी वजह से इसे साल 2027 की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक माना जा रहा है। विक्की के फर्स्ट-लुक पोस्टर में वो दाएं हाथ में लाइटर पकड़े नजर आ रहे हैं। इसी से वो होठों के बीच दबी सिगरेट जला रहे हैं।

लाइफ Style

संजय लीला भंसाली की नई फिल्म ‘लव एंड वॉर’ से आलिया भट्ट का नया लुक सामने आ गया है और यह उनका अंदाज काफी हटके है। इस पोस्टर में आलिया एक बोल्ड कैबरे आउटफिट में नजर आ रही है।

आलिया

संजय की फिल्म में दिखा धाकड़ अंदाज

एजेन्सी ►► मुंबई

स्लिट स्कर्ट और हेडपीस के साथ उनका यह अंदाज फैस को उनका एक नया, आत्मविश्वासी रूप दिखा रहा है। इस बहुचर्चित फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी उनके साथ नजर आएंगे। ‘लव एंड वॉर’ दुनिया भर में 21 जनवरी, 2027 को रिलीज होगी और यह हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में उतरेगी।

संजय इस बार दर्शकों को कुछ नया दिखाने का वादा कर रहे हैं। फिल्म में एक ऐसी नई सेटिंग और विजुअल वर्ल्ड होगा, जो उनकी पिछली फिल्मों से काफी अलग होगी। फिल्म के जो पोस्टरस अब तक ऑनलाइन आए हैं, उन्होंने पहले ही खूब सुर्खियां बटोरी हैं, जिससे सितारों से सजी इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म ‘लव एंड वॉर’ से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। इसमें आलिया भट्ट कैबरे आउटफिट में डांस करती दिख रही हैं। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ समय पहले ही फिल्म आलिया के कैरेक्टर पोस्टर भी रिलीज हुए। इन पोस्टरों के बाद अब यह क्लिप दर्शकों को फिल्म के संगीत और उसके माहौल को लेकर और ज्यादा उत्सुक कर रहा है।



हॉलीवुड मसाला

टेलर के ‘क्लीवलैंड’ ने जीता दिल

लॉस एंजिलिस। टेलर स्विफ्ट ने अपने नए एल्बम एक्स्टेंशन ‘द लाइफ ऑफ़ अ शोर्गल: द एनकोर’ से हाल ही में ‘क्लीवलैंड’ नाम का एक गाना जारी किया है। यह गाना उनके पति ट्रेविस केल्सकी के गृह नगर क्लीवलैंड हाइड्स, ओहियो को एक प्यारा सा सम्मान है। इसमें उनकी 3 जुलाई की शादी और क्लीवलैंड हाइड्स का भी जिक्र मिलता है। टेलर ने इस हफ्ते की शुरुआत में ही इस एडिशन का एलान किया था, जिसमें ‘पेशेंट जीरो’ जैसे कई नए गाने शामिल हैं। यह खबर ऐसे समय आई है जब ट्रैविस ने क्लीवलैंड गार्जियंस बेसबॉल टीम में कुछ हिस्सेदारी खरीदी है।



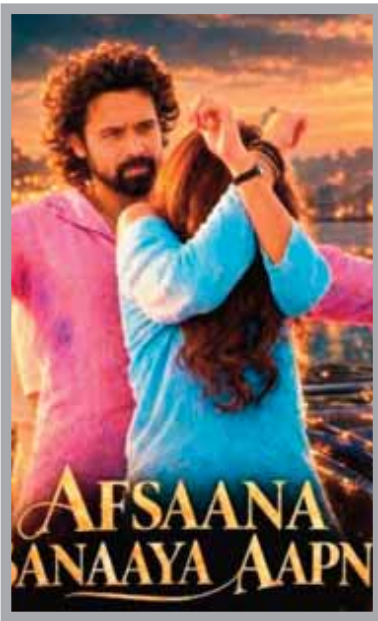
‘प्राइमटाइम’ के 7 सेकंड के सीन पर चली सेंसर की कैंची

लॉस एंजिलिस। रॉबर्ट पैटिनसन की नई थ्रिलर फिल्म ‘प्राइमटाइम’ अब भारतीय सिनेमाघरों में आ गई है, लेकिन सेंसर बोर्ड ने इसमें कुछ बदलाव किए हैं। हालांकि, यह फिल्म सिर्फ वयस्कों के लिए बनी है, फिर भी इसे मंजूरी मिलने से पहले 7 सेकंड के नग्न दृश्यों को हटाना पड़ा, 2 अपशब्दों को स्मूट किया गया और एक शराब के बांड को धुंधला करना पड़ा। इन बदलावों से कई ऑनलाइन दर्शक खुश नहीं हैं, खासकर तब जब ‘प्राइमटाइम’ फिल्म पहले से ही वयस्कों के लिए बनाई गई है। यह फिल्म पत्रकार किस हैन्सन की कहानी बताती है, जो एक ऐसे शो में काम करते हैं, जो ऑनलाइन शिकारियों को पकड़ता है। इसमें वे अपराध की रीप्रेटिंग और मनोरंजन के बीच के मुश्किल संतुलन को समझने की कोशिश करते हैं। इस फिल्म में मेरिट वेवर और फोर्से बिजर्स (जो अपनी पहली बड़ी फिल्म में नजर आ रही हैं) भी अहम भूमिकाओं में हैं।



अब बनेगी वेब सीरीज द फैमिली मैन

मुंबई। लोकप्रिय वेब सीरीज ‘द फैमिली मैन’ के क्रिएटर्स अब इसे एक फिल्म में बदलने पर भी सोच रहे हैं। मनोज बाजपेयी इस शो में मुख्य भूमिका निभाते हैं, जिसे इसकी रोमांचक कहानी और दमदार कलाकारों के लिए दर्शक बहुत पसंद करते हैं। सुनने में आया है कि ‘द फैमिली मैन’ को फिल्म में बदलने का विचार कुछ समय से चल रहा था, लेकिन अभी टीम चौथे सीजन को पहले पूरा करने पर ध्यान दे रही है, उसके बाद ही फिल्म की योजना पर आगे काम होगा। फिलहाल सबकी नजर चौथे सीजन को बनाने पर टिकी है। इसकी शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है। यह शो श्रीकांत तिवारी (मनोज) नाम के एक इंटीलिजेंस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमता है, जो अपनी खतरनाक नौकरी और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बनाने की जद्दोजहद करता है।



‘गनमास्टर जी-9’ से आया रोमांटिक गाना

मुंबई। इमरान हाशमी की आगामी फिल्म ‘गनमास्टर जी9’ का इंटरजर उनके फैस बेसब्री से कर रहे हैं। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित और सोहम रॉकरस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले निर्मित, यह एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें उनके साथ जेनेलिया डिसूजा मुख्य किरदार में हैं। निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना ‘अफसाना बनाया आपने’ रिलीज कर दिया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया है। यह गाना इमरान और हिमेश रेशमिया की वापसी का प्रतीक है। यूट्यूब पर ‘अफसाना बनाया आपने’ उसके वीडियो के साथ रिलीज किया गया है। यह गाना फिल्म में इमरान और जेनेलिया के बीच पनपते प्यार, जुनून और गहराई को दर्शाता है। इसका संगीत हिमेश ने तैयार किया है और उन्होंने ही बोल लिखकर उन्हें अपनी आवाज में पिरोया है।

टीवी मसाला



बिग बॉस 20': कप्तानी टास्क में मिड़े यंग और काजी कोई और जीत ले गया बाजी

रायपुर। रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ में घर का अगला कप्तान बनने के लिए प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। हालांकि एपिसोड में, ऋति तिवारी, काजी तौकीर और उदित सिंह के बीच तीखी नेकझोंक हुई थी, जिसका असर अब तक सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहा है। अब कप्तानी टास्क को लेकर यंग डीएसए और काजी आपस में मिड़ गए हैं। इस दौरान काजी ने अपनी शर्ट उतार दी और गुरूसे में यंग को हिंसा करने की चुनौती दे डाली।

कप्तानी टास्क ने फिर मचाया घर में बवाल : जियोहॉटस्टार ने ‘बिग बॉस 20’ का ताजा प्रमो जारी किया है, जिसमें घरवालों को जोड़ियां बनाकर एक-दूसरे को गेंद पास करने के लिए कहा गया। प्रमो के अनुसार, यंग मीके से गेंद की उठा लेते हैं और काजी उनसे उसे छीनने की कोशिश करते हैं। यंग कहते हैं कि उनके पैर में चोट लगी है। इसके बाद उनके बीच झगड़ा शुरू हो जाता है। काजी अपनी टी-शर्ट उतारकर उन्हें चुनौती देते हैं कि अगर हो सके तो मार के दिखाओ।

मेरी कॉम के हाथ लगी जीत की बाजी : खबरों के मुताबिक, बॉक्सिंग चैंपियन मेरी कॉम ने कप्तानी टास्क जीता है और वह घर की नई कैप्टन बन गई हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल, बिग बॉस का घर इस वकत 2 गुटों में बंट आया दिख रहा है। एक तरफ यंग, आसिफ खान, स्काउट, आमपाली दुबे जैसे प्रतियोगियों का गुप है। दूसरी ओर, वह प्रतियोगी हैं जो काजी और माही मिल के साथ नजर आ रहे हैं।

‘क्योंकि सास...2’ में गुजराती बहुओं ने मनाई छठ पूजा

मुंबई। टीवी को ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ अपने दूसरे सीजन के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। चूकि शो गुजराती परिवार की कहानी पर आधारित है, इसलिए नवरात्रि जैसे त्योहारों और परंपराओं को शो में बखूबी पेश किया जाता रहा है। हालांकि, पहली बार शो के इतिहास में कुछ अलग देखने को मिलेगा। दरअसल, आगामी एपिसोड में दर्शक वीरानी परिवार की बहुओं को ‘छठ पूजा’ मनाते देखेंगे। इसकी एक झलक सोशल मीडिया पर देखने को मिली है। शो में ‘नंदिनी’ का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी प्रधान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें उन्हें सह-कलाकारों प्रावी सिंह और रावी गुप्ता के साथ छठ का पर्व मनाते हुए दिखाया गया है। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, ‘मेरी पहली छठ पूजा!’ ‘तुलसी’ का किरदार निभा रही स्मृति ईरानी भी इस त्योहार को पूरी श्रद्धा के साथ मनाती हुई नजर आईं।

दर्शक वीरानी परिवार की बहुओं को ‘छठ पूजा’ मनाते देखेंगे। इसकी एक झलक सोशल मीडिया पर देखने को मिली है। शो में ‘नंदिनी’ का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी प्रधान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें उन्हें सह-कलाकारों प्रावी सिंह और रावी गुप्ता के साथ छठ का पर्व मनाते हुए दिखाया गया है। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, ‘मेरी पहली छठ पूजा!’ ‘तुलसी’ का किरदार निभा रही स्मृति ईरानी भी इस त्योहार को पूरी श्रद्धा के साथ मनाती हुई नजर आईं।

भारत के सबसे अमीर अभिनेताओं में शाहरुख ने बिग बी को छोड़ा पीछे

मुंबई। हुर्रन इंडिया रिच लिस्ट 2026 की नई सूची जारी हो गई है, जिसमें देश के कई बेहद अमीर लोगों के साथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज सितारों के नाम भी शामिल हैं। इस सूची में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता शाहरुख खान से लेकर सलमान खान तक ने अपनी जगह बनाई है। ऐसे में आइए जानते हैं, इस साल की सूची में शामिल भारत के सबसे अमीर अभिनेताओं और उनकी संपत्ति के बारे में।

शाहरुख खान : हुर्रन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के मुताबिक, शाहरुख की कुल संपत्ति करीब 10,000 करोड़ रुपये है। फिल्मों से मोटी फीस लेने के अलावा वह कई बड़े ब्रांड्स से भी जुड़े हैं। शाहरुख का अपना प्रोडक्शन हाउस है और वह आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक हैं। इसके अलावा वह किडजानिया के सह-मालिक भी हैं, जिसमें उनकी करीब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी बताई जाती है।

अमिताभ बच्चन : इस सूची में अमिताभ बच्चन दूसरे स्थान पर हैं। हुर्रन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के मुताबिक, उनकी कुल संपत्ति करीब

4,000 करोड़ रुपये है। खास बात यह है कि उनकी संपत्ति में पिछले साल के मुकाबले बढ़ोतरी हुई है।

साल 2025 में उनकी अनुमानित संपत्ति लगभग 1,630 करोड़ रुपये थी। अमिताभ की कमाई का प्रमुख जरिया फिल्म, टीवी शो की मेजबानी, बांड विज्ञापन, रियल एस्टेट और उनके कई किरदार आज भी दर्शकों को याद है। अभिनेता को श्रद्धांजलि देने के लिए आइए उनकी कुछ चर्चित फिल्मों पर नजर डालते हैं और जानते

हैं। वो ‘बॉइंग ह्यूमन’ बांड और चैरिटी की कमाई करते हैं। इसके अलावा ‘सलमान खान फिल्म्स’ नाम का उनका अपना प्रोडक्शन हाउस है, जो उनकी कमाई का एक और मजबूत जरिया है।



एक फिल्म से मुझे सिर्फ इसलिए निकाल दिया गया, क्योंकि...

मुंबई। फिल्मों में कलाकारों को बदले जाने की वजह अक्सर बजट या तारीखें होती हैं, लेकिन अभिनेत्री तापसी पन्नू ने बॉलीवुड का एक कड़वा सच उजागर किया है। तापसी ने खुलासा किया कि उन्हें एक फिल्म से सिर्फ इसलिए निकाल दिया गया, क्योंकि ‘हीरो की पत्नी’ उन्हें पसंद नहीं करती थी। बिना किसी गलती के सिर्फ किसी की निजी पसंद-नापसंद के कारण फिल्म गंवाने के इस अनुभव को उन्होंने अपने करियर का सबसे बेतुका और बुरा कारण बताया है।

मगवान जाने क्या वजह थी

एक इंटरव्यू में तापसी बोलीं, मुझे बताया गया कि फिल्म के हीरो ने मुझे रिप्लेस करवाया है। मगवान जाने इसकी क्या वजह थी। मैं तो बस वजनही का अंदाजा ही लगाती रहती हूँ। शायद कोई असुरक्षा की भावना रही हो या फिर वो अपनी किसी करीबी अभिनेत्री को फिल्म में लेना चाहते हों। मैं कई तरह के कारण सोच सकती हूँ, लेकिन मुझे कोई साफ वजह नहीं बताई गई।



हीरो की पत्नी की वजह से गंवानी पड़ी फिल्म

तापसी ने आगे कहा, मुझसे बस इतना कहा गया कि हीरो मुझे फिल्म में नहीं चाहता, क्योंकि मैं बार-बार निकाले जाने का कारण पूछ रही थी। मुझे फिल्म से निकाले जाने का सबसे बेतुका कारण ये दिया गया था कि हीरो की पत्नी आपको पसंद नहीं करती। मुझे नहीं पता कि वो मुझे पसंद क्यों नहीं करती थीं। हालांकि, तापसी ने उस अभिनेता या उनकी पत्नी के नाम का खुलासा नहीं किया।

एक जैसे किरदारों से तंग आकर तापसी ठुकरा रहीं फिल्में

‘हसीन दिलरूबा’, ‘थप्पड़’ और ‘डंकी’ जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली तापसी अब एक जैसे किरदारों में बंधना नहीं चाहती। उन्होंने बताया कि इंस्ट्री में व्लैण्डरस और कॉपी भूमिकाओं के लिए कुछ खास अभिनेत्रियों को ही चुना जाता है। तापसी ने कहा कि कई बार वो निर्माताओं से कहती हैं कि अगर उन्हें फिल्म में लिया गया तो दर्शक कहानी का अंत पहले ही समझ जायेंगे। इसी वजह से वो खुद कई फिल्मों के प्रस्ताव ठुकरा चुकी हैं।

मुंबई। बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मुश्ताक खान का 24 सितंबर को 56 साल की उम्र में निधन हो गया। हिंदी फिल्मों और टेलीविजन में अपने अभिनय से पहचान बनाने वाले मुश्ताक ने कई फिल्मों में सहायक भूमिकाएं निभाईं। उनके कई किरदार आज भी दर्शकों को याद है। अभिनेता को श्रद्धांजलि देने के लिए आइए उनकी कुछ चर्चित फिल्मों पर नजर डालते हैं और जानते



हैं कि इन फिल्मों को आप किस-किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। ‘हेरा फेरी’ और ‘गदर: एक प्रेम कथा’ : हेरा फेरी बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फिल्मों में से एक है, जिसमें मुश्ताक के साथ अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और प्रवेश रावल मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। ‘गदर: एक प्रेम कथा’ में मुश्ताक के साथ सनी देओल और अमीषा पटेल दिखाई दिए थे। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी इस पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म को

5 ‘स्त्री 2’

हॉरर-कॉमेडी फिल्म ‘स्त्री 2’ में मुश्ताक ने नेता का किरदार निभाया था। अमर कोशिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी दिखाई दिए थे। आप इसे प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। ‘वेलकम’ और ‘हम हैं राही प्यार के’ : फिल्म ‘वेलकम’ में मुश्ताक खान ने ‘बालू’ का किरदार निभाया था। अनौर बज्जों के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय, कैटररीन कैफ, नाना पाटेकर और अनिल कपूर ने काम किया था। इसे आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। ‘हम हैं राही प्यार के’ में आमिर खान और जुही चावला मुख्य भूमिकाओं में दिखाई दिए थे, जबकि मुश्ताक ने सहायक भूमिका निभाई थी। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित इस फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

‘चुंबक’ के साथ ओटीटी पर देखें ये मजेदार कॉमेडी-ड्रामा वेब सीरीज

मुंबई। पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा ‘चुंबक’ नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है और इसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसमें नाना गुप्ता, सुमित व्यास, मानसी पारेख, अर्जुन बिजलानी और हेली शाह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। अगर आपको हल्की-फुल्की और परिवार के साथ देखने लायक कॉमेडी-ड्रामा पसंद है, तो ‘चुंबक’ के साथ आप ऐसी ही कुछ अन्य वेब सीरीज भी देख सकते हैं।

‘टीवीएफ ट्रिपलिंग’ और ‘ये मेरी फैमिली’ : वेब सीरीज ‘टीवीएफ ट्रिपलिंग’ में सुमित, मानवी और अमोल पराशर मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। इस सीरीज को 8.5 रेटिंग मिली है। इसे आप जी5 पर देख सकते हैं। लोकप्रिय भारतीय कॉमेडी-ड्रामा वेब

सीरीज ‘ये मेरी फैमिली’ 90 के दशक के दौर पर आधारित है। इस सीरीज के 4 सीजन आ चुके हैं। इस सीरीज को 8.9 रेटिंग मिली है। इसे आप प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर पर देख सकते हैं।



‘फैमिली आज कल’ और ‘होम शांति’ : कॉमेडी ड्रामा सीरीज ‘फैमिली आज कल’ की कहानी एक मध्यम वर्गीय परिवार और सामाजिक पूर्वाग्रहों के इर्द-गिर्द घूमती है। इसे आप ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर देख सकते हैं। इसे आईएमडीबी पर 6.4 रेटिंग मिली है। वेब सीरीज ‘होम शांति’ की कहानी एक मध्यम वर्गीय परिवार के आस-पास घूमती है। इसे 8 रेटिंग मिली है। इसे आप जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं।

‘द आम आदमी फैमिली’ : द आम आदमी फैमिली की कहानी एक मध्यम वर्गीय परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। इस सीरीज के 5 सीजन आ चुके हैं। इसे लोगों ने खूब पसंद किया था।

► दस हजार जुर्माने के साथ एक सप्ताह का अंतिम अवसर

► जवाब नहीं आया तो जबलपुर कलेक्टर को होना पड़ेगा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित

जबलपुर। मप्र हाई कोर्ट ने सीलिंग भूमि से जुड़े मामले में पिछले दो साल से जवाब पेश करने के लिए लगातार मोहलत मांग रही राज्य सरकार पर ने सख्ती दिखाई है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने शासन को 10 हजार रुपये के जुर्माने के साथ एक सप्ताह में जवाब पेश करने का अंतिम अवसर दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि निर्धारित अवधि में जवाब पेश नहीं हुआ और जुर्माना राशि जमा नहीं की गई तो अगली सुनवाई पर जबलपुर कलेक्टर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ेगा। जुर्माने की राशि संबंधित आफिसर इंचार्ज से वसूल कर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के खाते में जमा कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मामला जबलपुर निवासी मुन्नालाल पटेल की ओर से वर्ष 2024 में दायर किया गया था। उनकी ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। प्रकरण सीलिंग अधिनियम समाप्त होने के बावजूद आवेदक की भूमि के राजस्व अभिलेख दुरुस्त नहीं किए जाने से संबंधित है। आवेदक का कहना है कि सीलिंग अधिनियम समाप्त होने की तिथि पर संबंधित भूमि पर उसका कब्जा था और उसने किसी प्रकार का मुआवजा भी प्राप्त नहीं किया था। अधिनियम की धारा-चार के अनुसार सीलिंग प्रभावित खसरों से उसका नाम

दो साल से जवाब टाल रही सरकार, हाईकोर्ट सख्त नई मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु की नियुक्ति पर रोक की मांग

► विभाजन का मामला हाई कोर्ट में विचाराधीन

► राज्यपाल के उपसचिव को आपत्ति भेजी

जबलपुर। मध्य प्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन और नई मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, जबलपुर के गठन का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन होने के बीच नई यूनिवर्सिटी के कुलगुरु पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू किए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई गई है। डॉ. पीजी नाजपांडे और रजत भार्गव ने राज्यपाल के उपसचिव को आपत्ति भेजकर कुलगुरु पद पर नियुक्ति के लिए जारी सूचना पर रोक लगाने की मांग की है। आपत्ति की प्रतिलिपियां संबंधित अनावेदक मप्र शासन के विभागों को भी भेजी गई हैं। आपत्तिकर्ताओं का कहना है कि हाईकोर्ट ने मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन और नई स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के गठन को चुनौती देने वाली याचिका विचारार्थ स्वीकार कर 15 सितंबर को मप्र

शासन को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने शासन को चार सप्ताह के भीतर जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में नई यूनिवर्सिटी के गठन से संबंधित आगे की प्रक्रिया भी न्यायालय के विचाराधीन विषय से जुड़ी हुई है। उनका तर्क है कि जब तक हाईकोर्ट इस मामले में अंतिम निर्णय नहीं कर देता, तब तक नई यूनिवर्सिटी के कुलगुरु की नियुक्ति जैसी कार्रवाई आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि 21 अगस्त को राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से मध्यप्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन का प्रावधान किया गया था। डा. पीजी नाजपांडे व रजत भार्गव ने इस विभाजन को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इसी बीच राज्यपाल के उपसचिव की ओर से 10 सितंबर को नई मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलगुरु पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करने संबंधी सूचना जारी कर दी गई। अब इसी सूचना को लेकर आपत्ति दर्ज कराते हुए नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की गई है।

घाट डूबे, गोरीघाट में सड़क तक पहुंचा पानी, नर्मदा का जलस्तर 13 से 14 फीट बढ़ा

बरगी बांध के 13 गेट खुले, नर्मदा उफान पर

जबलपुर। बरगी बांध के जलग्रहण क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण बांध में पानी की आवक लगातार बढ़ रही है। इस लिहाज से बांध की सुरक्षा एवं जल स्तर को नियंत्रित एवं स्थिर बनाए रखने बांध प्रबंधन द्वारा डेम से जल निकासी में पुनः वृद्धि किए जाने की आवश्यकता महसूस की और इसी के तहत शनिवार प्रातः 11 बजे से बांध के 9 जल द्वार औसतन 1.83 मीटर ऊंचाई तक खोलकर लगभग

2522 क्यूमेक जल माँ नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है। यही नहीं बांध में लगातार बढ़ती जल आवक को दृष्टिगत रखते हुए आज अपराह्न 3: बजे से जल निकासी बढ़ाकर 13 जल द्वार औसतन 1.88 मीटर ऊंचाई तक खोल दिए गए जिससे लगभग 3752 क्यूमेक जल माँ नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है। उक्त 13 गेटों से जल निकासी के फलस्वरूप माँ नर्मदा के घाटों पर जल स्तर लगभग 12 से 14

फीट तक बढ़ गया है। यहां शहर में गोरीघाट और तिलवारा सहित आस पास के अन्य घाट पूरी तरह डूब गए हैं। बाढ़ नियंत्रण,प्रभारी सहायक यंत्री के मुताबिक बांध में पानी की आवक के अनुसार जल निकासी की मात्रा को आवश्यकता के अनुरूप कभी भी घटाया अथवा बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने जन सामान्य से माँ नर्मदा के घाटों एवं तटीय क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

हादसे में चालक घायल, अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज रफ्तार का कहर, विजयनगर में तीन कारें टकराईं

जबलपुर। विजयनगर क्षेत्र में रविवार रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से तीन कारें आपस में भिड़ गईं। हादसे में करमेता निवासी रितेश दुबे (48) घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।

पुलिस के अनुसार रितेश दुबे रात करीब 7 बजे कार क्रमांक एमपी 20 जेडएम 3685 से घर लौट रहे थे। हीरा स्वीट्स के सामने पीछे से आ

रही कार क्रमांक एमपी 67 सी 2305 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद रितेश की कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही कार क्रमांक एमपी 20 सीडी 9549 से जा भिड़ी। हादसे में रितेश का चेहरा स्टैयरिंग से टकराने के कारण मुंह में गंभीर चोट आई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों कारें क्षतिग्रस्त हो गईं।

आसपास के लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। विजयनगर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 और 125 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

30 तोला सोने के जेवर चांदी के आभूषण ऑटो और सब्बल बरामद

जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्र में सुने मकान का ताला तोड़कर करीब 45 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में महिला समेत तीन आरोपियों अभिषेक चौबे उर्फ गुड्डू, आशीष चौबे और ज्योति चौबे को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की निशानदेही पर करीब 30 तोला सोने के जेवर, चांदी के आभूषण, सिक्के, पीतल के बर्तन

45 लाख की नकबजनी का खुलासा महिला समेत तीन गिरफ्तार

सहित वारदात में प्रयुक्त ऑटो, सब्बल और ऑटो का हुड बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार लमती निवासी गगन शर्मा के सुने मकान में 13 सितंबर को शटर का कुंदा तोड़कर चोरी की गई थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में रात करीब 1.04 बजे एक नीला ऑटो घर के सामने दिखाई दिया। ऑटो के हुड पर लगे विज्ञापन से पुलिस ने उसके मालिक आशीष चौबे तक पहुंचकर जांच आगे

बढ़ाई। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात कबूल की। पुलिस के अनुसार आशीष ने दो दिन तक मकान की रंकी करने के बाद भाई अभिषेक के साथ चोरी की योजना बनाई थी। चोरी के नज्दों में से बड़ी मात्रा में आभूषण आशीष ने पत्नी ज्योति को छिपाकर रखने के लिए दिद् थे। पुलिस ने आरोपियों से मंगलसूत्र, हार, कंगन, चेन, झुमकी, ब्रेसलेट, अंगूठियां सहित अन्य आभूषण बरामद किए हैं।

24 घंटों में 2 इंच बारिश के बाद तापमान में गिरावट, आज भी वर्षा की संभावना

मानसून सीजन के आखिरी दिनों में शहर तरबतर

जबलपुर। विदा ले रहा मानसून सत्र शहर को तरबतर कर रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक विदर्भ और छत्तीसगढ़ के ऊपर बने चक्रवात की वजह से पिछले 24 घंटों के दौरान लगभग 2 इंच बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि अभी बादल बरसने का आतुर है। अगले 24 घंटों के दौरान भी भारी बारिश की संभावना बनी है। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई है और हवा में ठंडक घुल गई है। शनिवार को सुबह से अच्छी बारिश हुई। दिनभर बादल छाए रहे। शाम को फिर हल्की बूंदाबांदी हुई। बारिश का आंकड़ा 34 इंच पर पहुंच गया है। मौसम सत्र के मुताबिक अब मानसून सत्र के महज 4 दिन शेष बचे हैं।

स्थानीय मौसम विज्ञान विभाग के प्रवक्ता के अनुसार महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्रफल बना हुआ है। जिसके कारण बादल आ रहे हैं और बारिश हो रही है। अगले एक-दो दिनों तक मौसम ऐसे ही रहेगा। मानसून अब लौट रहा है। जाते-जाते दो'-चार दिन और बारिश

होगी। उसके बाद बारिश कमजोर पड़ जायेगी। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 25.04 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 6 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 19.08 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 98 प्रतिशत और सायंकाल 87 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 6.01 मिनट पर और सूर्यास्त सायं 06.02 बजे हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान 46.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 845.02 मिमी (लगभग 34 इंच) दर्ज की जा चुकी है। जबकि गत वर्ष आज के दिन 05.04 मिमी वर्षा हुई थी और कुल वर्षा 1174.0 मिमी दर्ज की जा चुकी थी। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 32.07 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री दर्ज किया गया था। पश्चिमी हवाएं 6 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं।

हरिभूमि, जबलपुर।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जनेकृविवि) के पूर्व छात्रों का ऐतिहासिक स्नेह मिलन समारोह कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के सरदार वल्लभभाई पटेल सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल रहे, जबकि अध्यक्षता जनेकृविवि के कुलपति डॉ. पीके मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व लोक सेवा आयोग अध्यक्ष डॉ. बीबी व्योहार, राजमाता विजय राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एसके राव, निदेशक निदेशालय खरपतवार अनुसंधान जबलपुर डॉ. जेएस मिश्रा एवं सिंडिकेट बैंक के पूर्व जनरल मैनेजर पीएल कुर्मी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि लखन पटेल ने कहा कि जनेकृविवि ने पूर्व छात्रों को ऐसे शिक्षा-संस्कार दिए, जिनसे उन्होंने राष्ट्रसेवा में महत्वपूर्ण योगदान

दिया। उन्होंने सभी से स्वस्थ, व्यस्त और प्रसन्न रहने की अपील की। मकृष्ण कुसमरिया ने कृषि को अन्नदाता और प्राणदाता बताते हुए विश्वविद्यालय एवं आयोगकों के प्रयासों की सराहना की। कुलपति डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि पूर्व छात्रों के अनुभव और ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। कार्यक्रम की प्रस्तावना आरबी द्विवेदी ने प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि 1972 से 1980 तक के लगभग 10 बैच के 250 से अधिक पूर्व छात्र समारोह में शामिल हुए, जो विश्वविद्यालय के

इतिहास में अब तक के बड़े स्नेह मिलनों में से एक है। इस अवसर पर 1980 बैच के पूर्व छात्रों द्वारा तैयार स्मारिका (सोविनर) का विमोचन भी किया गया। समारोह को सफल बनाने में डॉ. आरएम साहू, आरबी द्विवेदी, राजकुमार पटेल, सुनील राय, डॉ. एलपीएस राजपूत, विनीत सिंह, रामकृष्ण पटेल, गोविंद शर्मा एवं आनंद पटेल का योगदान रहा। स्वागत उद्बोधन डॉ. आरएम साहू ने दिया। संचालन डॉ. अमित शर्मा तथा आभार प्रदर्शन डॉ. एलपीएस राजपूत ने किया।

87 करोड़ की परियोजना को केंद्र की मंजूरी, पर्यटन के साथ रोजगार को मिलेगा नया विस्तार मेड़ाघाट में बनेगा देश का पहला जियोलॉजिकल पार्क

जबलपुर। विश्व प्रसिद्ध भेड़ाघाट-लम्हेटाघाट अब देश के प्रमुख जियोलॉजिकल पर्यटन केंद्र के रूप में नई पहचान बनाने की ओर बढ़ रहा है। केंद्र सरकार ने यहां देश का पहला जियोलॉजिकल पार्क, विश्वस्तरीय जियोलॉजिकल म्यूजियम और आधुनिक पर्यटक सुविधाएं विकसित करने के लिए 87 करोड़ की परियोजना को मंजूरी दे दी है। स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड करीब 12 हेक्टेयर क्षेत्र में इस परियोजना को विकसित करेगा।

परियोजना को मूर्त रूप देने में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की पहल और लगातार प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया गया है। श्री सिंह ने 18 जनवरी 2024 को परियोजना की डीपीआर और डिजाइन का प्रस्तुतीकरण देखा था तथा प्राकृतिक परिवेश को सुरक्षित रखते हुए लमेटा फॉर्मेशन, रानी दुर्गावती और जबलपुर की भू-संस्कृति को प्रमुखता देने के निर्देश दिए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताया है।

स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा सहारा

रेस्टोरेंट, फूड कोर्ट, म्यूजियम शॉप, स्थानीय उत्पादों का बाजार, व्लैमिंग हको-रिसॉर्ट और अन्य सुविधाएं भी विकसित होंगी। वर्ष 2025 में करीब 10.68 लाख पर्यटक मेड़ाघाट पहुंचें थे। परियोजना का लक्ष्य पर्यटकों का ठहराव एक दिन से बढ़ाकर डेढ़ दिन करना है, जिससे हॉटल, परिवहन, हस्तशिल्प, गाइड और स्थानीय व्यापार को लाभ मिलने की उम्मीद है। परियोजना में यूनेस्को विश्व धरोहर की समाविष्ट सूची तथा मविध्य में यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क की संभावनाओं का भी उल्लेख है। इसे सितंबर 2026 से फरवरी 2028 के बीच पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

डायनासोर से पृथ्वी के इतिहास तक दिखेगा रोमांच

परियोजना में जियोलॉजिकल म्यूजियम एवं इंटरप्रेटेशन सेंटर, छह थीम आधारित गैलरियां, 130 से अधिक प्रदर्श, 3डी मॉडल, इमर्सिव थिएटर, टाइटेनोसॉर स्क्वायर, डायनासोर पार्क, फॉसिल गार्डन, रॉक गार्डन, ट्री-टॉप वॉकवे, ग्लास प्लोर, नेचर वॉक और व्यूइंग डेक विकसित किए जाएंगे।

कैलाश अग्रवाल बब्बा जी अग्ररत्न से समानित हुए

जबलपुर। अग्रवाल महासभा के अमृत महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर जबलपुर अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल (बब्बा जी) को अग्ररत्न से समानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल, भाजपा व्यापारी पकोष्ठ के पूर्व प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल, उद्योगपति कैलाश गुप्ता, जबलपुर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल गुड्डू, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, सुंदर अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, बुजेश अग्रवाल, सजल अग्रवाल, निक्की अग्रवाल, अमित अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, राहुल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने किया आंदोलन के द्वितीय चरण का ऐलान

सिहोरा। सिहोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने आंदोलन के द्वितीय चरण की घोषणा की है। समिति के अनुसार आगामी 2 अक्टूबर को जबलपुर स्थित भाजपा संभागीय कार्यालय के सामने स्मृति ईरानी की 15 नवंबर 2023 की घोषणा का ऑडियो 21 बार बजाया जाएगा। समिति का कहना है कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले 15 नवंबर 2023 को सिहोरा में आयोजित सभा में स्मृति ईरानी ने भाजपा प्रत्याशी संतोष बरकड़े के समर्थन में सिहोरा जिला बनाने के विषय को सरकार तक स्वयं ले जाने की बात कही थी। समिति के अनिल जैन, विकास दुबे, कृष्ण कुमार कुररिया, रामजी शुक्ला, मानस तिवारी, नंद कुमार पराहा, नितेश खरया, अमित बक्शी, संतोष वर्मा, संजय पाठक, जितेंद्र श्रीवास, प्रदीप दुबे, संतोष पांडे, सुनील कुररिया सहित अन्य सदस्यों ने सिहोरा वासियों से 2 अक्टूबर को सुबह 10 बजे बस स्टैंड पर एकत्र होने की अपील की है। समिति के अनुसार यहां से सभी लोग जबलपुर के लिए रवाना होंगे और दोपहर 12 बजे भाजपा संभागीय कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया जाएगा।

हिरन नदी में देर रात तक चला गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला

रिमझिम फुहारों के बीच बप्पा को दी विदाई

सिहोरा।

सिहोरा-खितौला में विराजित सैकड़ों गणेश प्रतिमाओं का रिमझिम बारिश के बीच देर रात तक हिरन नदी के नृसिंह घाट सहित विभिन्न घाटों पर विसर्जन किया गया। बप्पा को विदाई देने खितौला हिरन नदी घाट पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से शुरू हुआ विसर्जन का क्रम देर रात तक जारी रहा।

श्रद्धालु गणेश प्रतिमाओं को चार पहिया, तीन पहिया और दौपहिया वाहनों से डीजे की धुन पर नाचते-गाते घाट तक लेकर पहुंचे। घाट पर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली, जबकि नगर पालिका ने पूजन के लिए टेबल और अन्य व्यवस्थाएं की थीं। नदी में पानी



अधिक होने के कारण बड़ी प्रतिमाओं का हाड़ड़ा मशीन से तथा छोटी प्रतिमाओं का नाव के माध्यम से विसर्जन कराया गया। खुड़ावल रोड स्थित कनाड़ी नदी, घाट

सिमरिया हिरन नदी तथा नहर से प्रवाहित नर्मदा जल में भी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। घाटों पर 'गणपति बप्पा मोरया, अगले तू जल्दी आ' के जयघोष

गूंजते रहे। बारिश के बावजूद बच्चों और श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कई बच्चे रैनकोट पहनकर बप्पा को विदाई देने पहुंचे।



वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर गूंजा राष्ट्रभाव



सरस्वती शिशु मंदिर में सैकड़ों कंठों ने किया सामूहिक गायन

सिहोरा। 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के गौरवपूर्ण अवसर पर विद्या भारती की राष्ट्रव्यापी श्रृंखला के तहत सिहोरा के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में सामूहिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ज्योति परस्ते मुख्य अतिथि, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष संस्था दिनेश दुबे एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री विशिष्ट अतिथि तथा किशन जानवानी अध्यक्ष रहे। इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक अनुपम सराफ, कृष्णा सरावगी, आलोक जैन, राजेश दाहिया, करीडी लाल साहू, रश्मि सराफ, आचार्य शंकरलाल पटेल सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विद्यालय के आचार्य-द्वीदी, भैया-बहनो एवं बड़ी संख्या में अभिभावकों ने एक स्वर में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया। सैकड़ों कंठों से गूंजे राष्ट्रगीत के स्वरो से विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा की भावना से ओतप्रोत हो गया।

युवा संवाद में राष्ट्र, संस्कृति और सामाजिक समरसता पर मंथन

जबलपुर।

विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल, जबलपुर महानगर की ओर से सदर स्थित जेके सेंलिब्रेशन में 'युवा संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें राष्ट्र, धर्म, संस्कृति, सामाजिक समरसता, सेवा और युवा नेतृत्व जैसे विषयों पर युवाओं ने विचार-विमर्श किया। बजरंग दल के

राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापत मुख्य अतिथि एवं वक्ता रहे। उन्होंने कहा कि युवा वर्तमान में समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़कर सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम में संस्कार, सेवा, सामाजिक समरसता

और नेतृत्व के माध्यम से सकारात्मक भूमिका निभाने पर जोर दिया गया। 'संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्' के संदेश के माध्यम से एकजुटता और संवाद का आह्वान किया गया। इस अवसर पर तरस्वी उपाध्याय, सुनील भागचंदानी, प्रदीप गुप्ता, महेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जबलपुर।

भेड़ाघाट स्थित हरे कृष्णा आश्रम से निकलने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा के तहत भादों पूर्णिमा पर नर्मदा स्वर्ण कलश की 108 परिक्रमा संकीर्तन के साथ की गई। भगवान राधा-कृष्ण, लड्डू गोपाल एवं तुलसी भैया की परिक्रमा संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा, नर्मदा चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के अध्यक्ष विनोद दीवान एवं दुर्गा पटेल के सानिध्य में हुई। हरे कृष्णा आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्रदास जी महाराज ने श्रद्धालुओं को नशामुक्ति का संकल्प दिलाते हुए नर्मदा को



स्वच्छ रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नर्मदा महाआरती के संस्थापक एवं परिक्रमा

अध्यक्ष डॉ. सुधीर अग्रवाल, परिक्रमा संरक्षक श्रीमती सुष्मा शंकर पटेल, सह संकीर्तनाचार्य श्याम मनोहर पटेल, मनोज गुलाबबानी, विनोद विश्वकर्मा, शिव कुमार पटेल, छन्नू राम पटेल, लालजी पटेल, कैलाश विश्वकर्मा एवं गुड्डू नेता सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अधोजको के अनुसार चारुमांस विश्राम के बाद 24 नवंबर को सुबह 8:30 बजे हरे कृष्णा आश्रम, भेड़ाघाट में संतो के सानिध्य में नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा महाकुंभ आयोजित होगा। प्रत्येक माह पूर्णिमा को होने वाली इस परिक्रमा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

मॉडल हाई स्कूल में जिला स्तरीय चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता आयोजित



जबलपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत मॉडल हाई स्कूल में 'मेरे सपनों का विकसित भारत-2047' विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए विद्यार्थियों ने चित्रों और भाषणों के माध्यम से विकसित भारत की अपनी कल्पना प्रस्तुत की। राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि ने विद्यार्थियों का उत्पाहवर्धन करते हुए कहा कि मंच पर बोलने का लगातार अभ्यास आत्मविश्वास बढ़ाता है। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

विधायक संतोष बरकडे ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों की विकसित भारत को लेकर सोच और कल्पना सामने आई है। कार्यक्रम में विधायक अजय विश्‌नोई, नगर निगम अध्यक्ष रिकूज विज सहित जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे, मांटेसरी प्राचार्य राम मोहन तिवारी, संजय परिहार, कृष्णकांत शर्मा, जीतेन्द्र वैद्य सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

हैंडबॉल प्रतियोगिता : द्रोण हाउस बना इंटर हाउस चैंपियन

ज ब ल प उ र ।

सनातन धर्म पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, हाथीताल में प्राचार्या श्रीमती मौलश्री दुबे के मार्गदर्शन में इंटर हाउस हैंडबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में द्रोण, व्यास, वशिष्ठ एवं वत्स हाउस ने हिस्सा लिया।

सेमीफाइनल में द्रोण

हाउस ने वशिष्ठ हाउस को 14-8 से तथा वत्स हाउस ने व्यास हाउस को 9-8 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में द्रोण

हाउस ने वत्स हाउस को 13-9 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। द्रोण की ओर से विपिन ने 6, सुशांत ने 5 और साहिल ने 2 गोल

किए, जबकि वत्स हाउस की ओर से पीयूष ने 9 गोल किए। पुरस्कार वितरण समारोह में प्राचार्या श्रीमती मौलश्री दुबे ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का संचालन राजेश यादव एवं एचएस दिल्ली ने किया।

प्रेम सिंह चौहान बनीं महिला मोर्चा की जिला संयोजिका



ज ब ल प उ र ।
सिविल लाइन निवासी श्रीमती प्रेम सिंह चौहान को सर्वर्ण अधिकारी कर्मचारी एवं सामान्य वर्ग उत्थान संगठन की जबलपुर जिला इकाई में महिला मोर्चा की जिला संयोजिका नियुक्त किया गया है। संगठन के प्रवेश

अध्यक्ष इंजीनियर अभय तिवारी ने उनकी सामाजिक क्षेत्र में सक्रियता एवं कार्यों को देखते हुए यह दायित्व सौंपा है। श्रीमती प्रेम सिंह चौहान वर्तमान में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की महिला इकाई की जिला अध्यक्ष भी हैं। उनकी नियुक्ति पर समाजजनों एवं सर्वर्ण समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

इकिगाई किड्स में सीखने और विश्व विविधता का उत्सव



जबलपुर। इकिगाई किड्स इंटरनेशनल प्रीस्कूल के सेंट्रल कैंपस एवं तिलहरी में 'इकिगाई कलमीनेटिंग इवेंट' आयोजित हुआ। प्ले ग्रुप, नर्सरी एवं फाउंडेशन ईयर-1 के बच्चों ने 'ड्रीमटाइम लर्निंग' शोकेस डे में अपनी रचनात्मकता, जिज्ञासा और सीखने की प्रक्रिया को प्रस्तुत किया। फाउंडेशन ईयर-2 के विद्यार्थियों ने 'वर्ल्ड फेस्ट डे' में भारत, चीन, यूएसई, इटली, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, बाजील और अमेरिका सहित विभिन्न देशों की संस्कृति, परंपराओं और प्रमुख स्थलों की झलक दिखाई। विद्यालय को 'मिनी इंटरनेशनल एयरपोर्ट' के रूप में सजाया गया, जहां बच्चों ने एयरपोर्ट स्टाफ की भूमिका निभाकर अभिभावकों को वैश्विक यात्रा का अनुभव कराया। आयोजन से बच्चों में आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम भावना और सांस्कृतिक जागरूकता का विकास हुआ। चैयरपर्सन श्रीमती अर्पिता मालपानी, प्रिंसिपल श्रीमती सोनिया कोचर एवं प्रिंसिपल श्रीमती परमवीर कौर उपस्थित रही। अभिभावकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की।



पाटन सबस्टेशन के विस्तार की योजना तैयार करने के निर्देश

एमपी ट्रांसको एमडी सुनील तिवारी ने किया निरीक्षण

जबलपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने पाटन के 132 केवी एक्सट्रा हाई वोल्टेज सबस्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्र में संगठित विद्युत मांग और लोड वृद्धि को देखते हुए सबस्टेशन के विस्तार एवं अपग्रेडेशन की योजना शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपलब्ध भूमि का उपयोग करते हुए विस्तार योजना बनाने तथा 220 केवी पनागर सबस्टेशन से अतिरिक्त 132 केवी सॉलिट उपलब्ध कराने की संभावना का परीक्षण करने को कहा। तिवारी ने कहा कि कृषि प्रधान पाटन क्षेत्र में रबी सीजन के दौरान विद्युत मांग बढ़ती है, इसलिए निबंध आपूर्ति के लिए अतिरिक्त स्रोत विकसित करना आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने आउटजोर्स ऑपरेटर्स एवं सुरक्षा कर्मियों से संवाद किया। ग्राम गुनसर के समीप आउटर रिंग रोड परियोजना से प्रभावित शिफ्ट किए गए ट्रांसमिशन टावरों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य सत्यापन के निर्देश दिए। इस दौरान डीके अगवाल, एमवाई मंसूरी, आरसी शर्मा, आरएस पांडेय, एपीएस चौहान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जल-ऊर्जा संरक्षण से कनेक्टिविटी विस्तार तक जेडीए के अहम फैसले

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की संचालक मंडल बैठक में शहर के सुनियोजित विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। बैठक में जल एवं ऊर्जा संरक्षण, सिविक सेंटर के विकास, जेडीए की आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों के विक्रय तथा शहर की कनेक्टिविटी विस्तार पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग पर चर्चा हुई। शहर के विभिन्न क्षेत्रों की बेहतर कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए आवश्यक विकास कार्यों पर भी विचार किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समग्र विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप जबलपुर के सुनियोजित विकास को गति देने पर जोर दिया गया। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मार्गदर्शन में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। बैठक में जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, कलेक्टर राधेवंद सिंह, निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, संयुक्त संचालक जयवर्धन सिंह, सीईओ विवेक के.व्ही. सहित अधिकारी मौजूद रहे।



श्रीमती लक्ष्मी शुक्ला- भेड़ाघाट निवासी श्री सुरेश शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी शुक्ला का निधन हो गया। वे सुधीर शुक्ला, सुनील शुक्ला और प्रवीण शुक्ला की माताजी थीं। अंतिम संस्कार पंचवटी मुक्तिधाम भेड़ाघाट में सम्पन्न हुआ।

श्री श्याम मनोहर गोस्वामी- पीएचई कॉलोनी संजीवनी नगर निवासी श्री श्याम मनोहर गोस्वामी (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि

अब सबकुछ 40/- पछि कमतर हो.गै.

विजय साइडज

1000 से.मी.

कैकैक&सईट

300/-

विजय साइडज

1000 से.मी.

टंगीन

400/-

विजय साइडज

1000 से.मी.

टंगीन

1100/-

सम्यक् वर्तन विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362100



श्री गौरव दत्त- नेपियर टाउन निवासी श्री गौरव दत्त (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री पुरुषोत्तम यादव- जेडीए कॉलोनी बाजनामठ निवासी श्री मूलचंद यादव के पुत्र श्री पुरुषोत्तम यादव (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में

संपन्न हुआ।

श्री प्रेम नारायण तिवारी- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री प्रेम नारायण तिवारी (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सेविका बाई अहिरवार- मानेगांव रांझी निवासी श्री भगवान दास अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती सेविका बाई अहिरवार (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री रामनाथ चौधरी- बाबा टोला नई बस्ती निवासी श्री रामनाथ चौधरी (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कु. प्रिया माझी- कचनार सिटी विजय नगर निवासी श्री राजेश माझी की पुत्री कु. प्रिया माझी (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुलाब चंद पटेल- गौरेया प्लाट आमनपुर मदनमहल निवासी श्री गुलाब चंद पटेल (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सीता देवी राय- घाना

खमरिया निवासी श्री विश्वनाथ प्रसाद राय की धर्मपत्नी श्रीमती सीता देवी राय (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती हेमवती- कैलाशपुरी गुप्तेश्वर निवासी श्री गुलाब सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती हेमवती (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री अरख चंद मलिक- बगीचा नं. 98, सदर कैंट निवासी श्री अरख चंद मलिक (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विकास कुमार सौंधिया- सिद्धार्थ नगर घोड़ा अस्पताल के पास नेहरू वार्डनिवासी श्री राम प्रताप सौंधिया के पुत्र श्री विकास कुमार सौंधिया (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुशीला बाई गोंड- तिलहरी निवासी श्री रविशंकर गोंड की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला बाई गोंड (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

वासू- पावन भूमि शक्तिनगर निवासी वासू (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मुन्नी बाई मलिक- न्यू राम नगर अधातलाल निवासी श्री किशन लाल मलिक की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई मलिक (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रोहित कुमार कनौजिया- एंपायर न्यू कम्पाउंड सदर निवासी श्री रोहणी प्रसाद कनौजिया के पुत्र श्री रोहित कुमार कनौजिया (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मयंक शेखर- कृष्णा कॉलोनी धोबीघाट निवासी श्री अशोक शेखर के पुत्र श्री मयंक शेखर (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती उषा पारे- कमल नगर गौरीघाट झंडा चौक निवासी श्री रवि शंकर पारे की धर्मपत्नी श्रीमती उषा पारे (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

छावनी क्षेत्र की समस्याओं को लेकर बिगेडियर से मिले विधायक रोहाणी



जबलपुर। छावनी क्षेत्र की नागरिक, व्यापारी एवं पथ विक्रेताओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर विधायक अशोक रोहाणी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बिगेडियर दिनेश कुमार जांगू से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पथ विक्रेताओं से समान व्यवहार, व्यापारियों के किराए व लाइसेंस शुल्क की समीक्षा, रजिस्ट्री संबंधी प्रतिबंध, लॉबिड विकास कार्य और सड़कों के गड्ढों की मरम्मत सहित विभिन्न मुद्दे उठाए। प्रतिनिधिमंडल ने रामलीला मैदान का दूसरा द्वार खोलने तथा सिडन-2047 की योजना तैयार करने से पहले जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों से सुझाव लेने की मांग भी रखी। बिगेडियर जांगू ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए नियमानुसार कार्रवाई कर समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। विधायक रोहाणी ने कहा कि छावनी क्षेत्र के नागरिकों एवं व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास जारी रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल में संजय जैन, सुंदर अगवाल, अजय पदम, संजय कपूर, विजय पटेल, गोविंद यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएसएस अधिकारी तुकाराम मुंडे की कार्रवाई है। मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। ऐसे में कहा जा सकता है कि आज देश में मुंडे जैसे अफसरों की खास जरूरत है। आज देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य इमानदारी आम बात बन जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है, जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके। *मिलावटखोरी और इस पर रोक के मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था में भ्रष्टाचार



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ स्तंभकार

मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें।

डंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएसएस अधिकारी तुकाराम मुंडे की कार्रवाई है। मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरूआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बनने वाले 'एनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है।

नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें।

प्रभावी नियंत्रण नहीं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक न लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, गुणाफखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति. दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुगकी से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्रप्री घड़े में बने इउन सुराखों को खराब से भरोसे की आपीत की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपरायणता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। वक्त पर गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद गुणाफखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह रुप रुह जाता है। भले ही नकली दूध पाने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निंदोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी गुणाफखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है।



कठोर कानून और नियमन की जरूरत

कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को 'मिलावटी' माना जाता है, जो तथ्य मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और क्षामक लेबलिंग पर भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नाइजेशन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संक्रमण को निरोधात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर भारी जुर्माने, जेल की सजा और

उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां के फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य मानकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोक जा सकता है और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

जीरो टॉलरेंस की नीति बने

सत्ता संभालते वक़्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे कस्त लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखाता है, इसलिए गुणाफखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समर्पकों सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टॉलरेंस की नीति अखिराय करना जरूरी लगता है। तभी गुणाफखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पैघ कसे जा सकते हैं। पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलाभाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुर्माने का भी प्रावधान है।

चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करें। खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों को भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के हरादे से खाद्य पदार्थ में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून हैं, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लागम के लिए संघीय फूड, ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है।

थाली में पहुंचता जहर, बिगाड़ रहा सेहत!



सावधानी

सुरीशल देव

स्वतंत्र पत्रकार

हमारी थाली केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी है। दूध, दही, ची, तेल, मसाले, अनाज, फल-सब्जियां और मिठाइयां शरीर को पोषण देने के लिए हैं। लेकिन जब इन्हीं खाद्य पदार्थों में मिलावट, रासायनिक मिश्रण या हानिकारक तत्व पहुंच जाते हैं तो तभी भोजन पोषण के बजाय स्वास्थ्य का शोषण करने लगता है। समस्या इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दूषित भोजन का असर कई बार तत्काल दिखाई देता है, जबकि कुछ रासायनिक पदार्थों का नुकसान हमें धीरे-धीरे पता चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। वर्ष 2021 के आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि दुनिया में हर साल करीब 86.6 करोड़ लोग दूषित भोजन खाने के बाद बीमार पड़ते हैं और 15.2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। पांच साल से कम उम्र के बच्चे दुनिया की आबादी का लगभग 9 प्रतिशत हैं, लेकिन असुरक्षित भोजन से होने वाली बीमारियों के स्वास्थ्य बोझ में उनका हिस्सा करीब 29 प्रतिशत है। वर्ष 2021 में ऐसे कारणों से करीब 1.43 लाख बच्चों की मौत का अनुमान है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक असुरक्षित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का कारण बन सकता है। इसमें दस्त, उल्टी और फूड प्वाइजनिंग से लेकर कुछ गंभीर संक्रमण और कैंसर तक शामिल हैं। दूषित भोजन में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी और रासायनिक पदार्थ इसके प्रमुख कारण हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा को केवल मिलावट की समस्या मानना पर्याप्त नहीं है। भोजन के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के हर चरण में इसकी सुरक्षा जरूरी है। डब्ल्यूएचओ के नए आकलन का एक और चिंताजनक पहलू रासायनिक प्रदूषण के खतरों से जुड़ा है। 2021 में दूषित भोजन से हुई

मौतों में करीब 73 प्रतिशत हिस्सेदारी रासायनिक खतरों की थी। इनमें अकार्बनिक आर्सेनिक और सीसा प्रमुख थे। लंबे समय तक ऐसे तत्वों के संपर्क में रहने से हृदय रोग और कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। यहां यह समझना जरूरी है कि खाद्य में मिलावट या गड़बड़ी एक ही बात नहीं है। किसी खाद्य पदार्थ में जानबूझकर घटिया या अनधिकृत सामग्री को मिलावट हो सकती है, जबकि बैक्टीरिया, वायरस, भारी धातु, विषैले रसायन या खराब भंडारण के कारण भी भोजन दूषित हो सकता है। दोनों ही स्थितियां हमारे



खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। भारत में इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसआई लगातार खाद्य पदार्थों की जांच करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में देशभर में 4,39,108 प्रवर्तन नमूने लिए गए। हाल ही में एफएसएसआई ने दूध से प्राप्त सामग्री के बजाय अन्य घटकों से बनाए गए पनीर पर बिक्री संबंधी प्रतिबंधों का संसद में ड्राफ्ट संशोधन जारी किया है। मकसद, ऐसे उत्पादों को पनीर के नाम से बेचे जाने पर रोक लगाना है। फिलहाल यह ड्राफ्ट है, इसलिए इसे अंतिम नियम मानना जल्दबाजी होगी। पहले



व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

शहर में स्ट्रीट फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक सड़क किनारे लगने वाले ठेले, रेहड़ी और छोटी दुकानों पर मिलने वाला भोजन आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। कम कीमत, आसानी से उपलब्धता और स्थानीय उत्पाद इसकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। इसके साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का सवाल भी उठना ही महत्वपूर्ण है। स्ट्रीट फूड बेचने वाले लाखों छोटे कारोबारी अपनी आजीविका इसी व्यवसाय से चलाते हैं। इसलिए नियमन का उद्देश्य उन्हें परेशान करना या उनकी रोजी-रोटी छीनना नहीं होना चाहिए। जरूरत ऐसे व्यावहारिक नियमों की है, जिनसे कारोबार भी चलता रहे और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन भी मिल सके। सरकारों को स्ट्रीट फूड के लिए एक व्यापक और आधुनिक नियामक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। इसमें साफ पानी की उपलब्धता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाना बनाने और परोसने की स्वच्छता, कचरा निस्सारण, हाथ धोने की व्यवस्था तथा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की सफाई जैसे मानकों को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही खाद्य विक्रेताओं के लिए आसान पंजीकरण और नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होनी चाहिए। किसी भी सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, मसाले, दूध, पनीर, मांस, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच बेहद जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाद्य सामग्री किस स्रोत से खरीदी जा रही है, उसे किस तरह रखा जा रहा है और खाना तैयार करने वाले व्यक्ति स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। कई बार खराब या दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आती हैं। गंभीर मामलों में खाद्य विषयवत्ता जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे मामलों में केवल दुकान संचालक को दोषी ठहराने के बजाय यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि संबंधित इलाके में निगरानी और निरीक्षण की जिम्मेदारी किस विभाग की थी और क्या नियमित जांच वास्तव में की गई थी। स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या ठेले का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तय हों और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए इसके साथ ही स्थानीय निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए सक्षम खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की व्यवस्था होनी चाहिए। जहां अवैध वसूली या भ्रष्टाचार की शिकायत हो, वहां स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए। स्ट्रीट फूड लाखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरत और रोजगार का माध्यम है, इसलिए इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि सड़क किनारे खाना क्यों बेच रहा है। असली सवाल यह है कि जो खाना लगाया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अलग-अलग शहरों में स्ट्रीट फूड कारोबार के लिए नियम, निगरानी और उनके पालन की व्यवस्था एक जैसी नहीं है। स्थानीय निकायों, खाद्य सुरक्षा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है।

छोटे विक्रेताओं को केवल बंडित करने के बजाय पहले उन्हें प्रशिक्षण, बुनियादी सुविधाएं और स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराए जाने चाहिए। स्ट्रीट फूड को शहरों की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का हिस्सा मानते हुए इसके लिए निर्धारित वैडिंग जोन विकसित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छ पानी, कूड़ेदान, जल निकासी और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे विक्रेताओं और ग्राहकों दोनों को लाभ होगा तथा सड़कों पर अव्यवस्था भी कम हो सकती है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के नाम पर बनाए गए निग्रम इतने जटिल न हों कि छोटे दुकानदार उनके पालन में ही असमर्थ हो जाएं। डिजिटल पंजीकरण, सरल लाइसेंस प्रक्रिया और कम लागत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में मददगार हो सकते हैं। स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। इसके बजाय इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना उपादा व्यावहारिक रास्ता है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसे नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। आखिरकार सवाल सिर्फ सड़क किनारे बिकने वाले भोजन का नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और लाखों छोटे कारोबारियों की आजीविका का है। इसलिए स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके।

नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

महाराष्ट्र में जब कोई अफसर नियम तोड़ने वालों पर सख्ती करता है, तो लोग उसे अक्सर 'हीरो' कहने लगते हैं। तुकाराम हरिभाऊ मुंडे ऐसे ही अफसर हैं। बीड जिले के ताडसोना गांव के किसान परिवार में जन्मे मुंडे ने बिना कोचिंग के 2004 की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 20 हासिल की और 2005 बैच के महाराष्ट्र केडर के आईएसएस बने। करीब इक्कीस साल की सेवा में उनके पच्चीस के आसपास तबादले हुए। फिर भी वे बार-बार चर्चा में इसलिए आते हैं क्योंकि उन्होंने पानी, शहर प्रशासन, स्वास्थ्य और अब खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों को कागजी फाइल से निकालकर मैदान में उतारा। सवाल यही है कि क्या देश को ऐसे प्रोएक्टिव अफसरों की और जरूरत है, जो स्वास्थ्य की शुद्धता और स्वच्छता को प्राथमिकता दें? मुंडे की पहचान सिर्फ तबादलों से नहीं बनती। सूखाग्रस्त मराठवाड़ा में पले-बढ़े होने के कारण पानी उनके काम का केंद्र रहा। सोलापुर में जिलाधिकारी रहते हुए उन्होंने जलयुक्त शिवार योजना के तहत तेजी से जल संरक्षण कराया, टैंकर माफिया पर लगाम लगाई और सैकड़ों गांवों को टैंकर-मुक्त बनाने की कोशिश की। इसी काम के लिए उन्हें 'महाराष्ट्र का वाटरमैन' कहा गया। इस साल मई में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के आयुक्त बनने के बाद मुंडे की छवि और तेज हुई। विभाग ने राज्यभर में हजारों निरीक्षण किए। मिलावटी दूध, नकली या एनालॉग पनीर, गंदे रसोईघर, बिना लाइसेंस के कारोबार और असुरक्षित तेल-दवाओं पर छापे पड़े। कई होटलों के लाइसेंस निलंबित हुए, स्टैंक जब्त हुआ और सुधार नोटिस जारी किए गए। मुंडे का रुख साफ रहा कि जनस्वास्थ्य के मामले में हैसियत, नाम या पहुंच से समझौता नहीं होगा। बीबीसी और अन्य समाचार माध्यमों ने उन्हें सोशल मीडिया स्टार भी कहा, क्योंकि रसोईघरों की तस्वीरें और कार्रवाई की खबरें तेजी से फैलीं। साथ ही बंबई हाईकोर्ट ने एक मौके पर चेतावनी



देश को आज तुकाराम हरिभाऊ मुंडे जैसे अफसरों की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए, जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी।

खुद मैदान में नहीं उतरता, शिकायत पोर्टल और वार्षिक रिपोर्ट से डर नहीं बनता। मुंडे जैसे अधिकारी इसी अंतर को भरते हैं। वे इंटरनेट नहीं करते कि मामला अदालत या मीडिया तक पहुंचे। आम नागरिक को यह दिखाता है कि सरकार सिर्फ बयान नहीं दे रही, काम भी कर रही है। इसीलिए वे 'सिंचम आईएसएस' कहे जाते हैं। अगर हर इमानदार अफसर को छह-आठ महीने बाद हटा दिया जाए, तो संदेश यह जाता है कि नियम लागू करना जोखिम है, अनदेखी करना सुरक्षित। देश को ऐसे अफसर चाहिए, पर उससे ज्यादा ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें प्रोएक्टिव

मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी। साथ ही मीडिया और नागरिकों को भी समझना होगा कि एक अफसर के जाते ही अभियान न थम जाए। संस्था मजबूत हो तो मुंडे के बाद भी निरीक्षण चलते रहेंगे। देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य इमानदारी आम बात बन जाएगी। वही असली सफलता होगी।

वैज्ञानिक जांच व्यवस्था मजबूत करनी होगी। जांच प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी होगी, नमूनों की रिपोर्टिंग में तेजी लानी होगी और दोषी कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है। खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

स्वर संक्षेप

बांग्लादेश में हिंदू ज्वेलरी कारोबारी की हत्या

ढाका। बांग्लादेश में मयमनसिंह जिले के बेगुनबाड़ी इलाके में एक हिंदू व्यक्ति का शव ड्रम के अंदर



सूत्रधार के तौर पर हुई है, जो मयमनसिंह के अठारबारी बिल्डिंग इलाके में एक ज्वैलरी शॉप (साझेदारी में) चलाते थे।

पाक में धमाका 11 लोगों की मौत, 30 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के नार्थ वेस्ट इलाके में शनिवार को बम धमाका हुआ जिसमें कम से कम



मुताबिक, शनिवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले के दराजिंदा इलाके में 'अमन मेला' के पास हुआ।

ईरान में बस पलटने से
11 की मौत, 24 घायल

तेहरान। ईरान में शनिवार को एक यात्री बस पलट गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 24 अन्य



हादसा मध्य मरकजी प्रात के सावहे-
हमदान फ्रीवे पर हुआ। प्रांतीय ट्रैफिक
पुलिस ने बताया कि ड्राइवर की
थकान और नींद आने की वजह से
यह हादसा हुआ।

रूस का यूक्रेन पर हवाई हमला, 4 लोगों की मौत

कीव। रूस ने यूक्रेन पर क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों, ग्लाइड बमों और जेट-चालित ड्रोनों से हमला

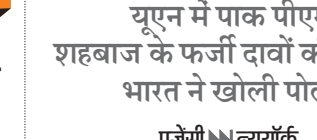


क्षतिग्रस्त हो गया है। यह मोबाइल इंटरनेट सेवाओं और स्टारलिनक उपग्रह संचार प्रणालियों को सहायता प्रदान करता था।

भारत और अमेरिका के संबंध नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे

एजेंसी ►► न्यूयॉर्क

अमेरिका-भारत व्यापार समझौता दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाएगा। इससे उन क्षेत्रों में भी प्रगति का रास्ता खुलेगा, जहां दशकों से उपलब्धि हासिल नहीं हो सकी है। अमेरिका के विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। अधिकारी ने कहा कि व्यापार समझौते को लेकर दोनों देश लगभग 90 प्रतिशत तक पहुंच चुके हैं और कुछ अंतिम मुद्दों पर काम किया जा रहा है।



संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के
पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ
सिंधु जल संधि पर दी गई गैरकूट
कश्मीर
को लेकर
कड़ा जवा
भारतीय
प्रथम र
फर्स्ट र
गहलोत
रिप्लाई।
यूएन में भारतीय मिशन की
प्रथम सचिव पटेल गहलोत
इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि प
पीएम का भाषण 'बेतुकी बयानबाजी'
यह उस समय हुआ है, जब न्यूयॉ
पूरी दुनिया ने महज दो सप्ताह बाद
भयावह आतंकी हमले की 25वीं ब



इन्वॉशेन को बढ़ा
से जुड़े पहलुओं

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने समुद्री क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े मौकों और सुरक्षा जोखिमों पर बात की। जयशंकर ने कहा कि उन्हें ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्जिया गेरापेट्रिडिस के साथ मिलकर 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के संदर्भ में एआई- समुद्री सुरक्षा खास जोर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम की सह-अध्यक्षता करके खुशी हुई।

एआई से मिलने वाले मौकों का फायदा उठाने, इसके नतीजों का अंदाजा लगाने और इसके जोखिमों को कम करने की जरूरत पर जोर दिया। इसके लिए ऐसे नजरिए की जरूरत है जो इनोवेशन को बढ़ावा दे और साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का भी ध्यान रखे। एआई संसाधनों तक लोकतांत्रिक पहुंच, सुरक्षित और भरोसेमंद सिस्टम बनाने, इंसानी क्षमताओं में निवेश करने और आर्थिक विकास व सामाजिक भलाई के लिए एआई का इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया है।



पाक की बुनियाद
ही ईशानिंदा कानूनों
पर टिकी

पाक में
अल्पसंख्यकों के
साथ दुर्व्यवहार हो

रावलकोट में लांगी की हत्या और क्रूर हिंसा हो रही

कश्मीर भारत का हिस्सा नहीं: पाक का पुराना राग

सीएनएचए में पाकिस्तान का डिप्लोमेट सौरभ लाली ने कहा कि जम्मू-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मान्यता प्राप्त विवादित क्षेत्र है। इसका एक बड़ा हिस्सा लगभग आठ दशकों से कश्मीरी लोगों की इच्छा के खिलाफ और अंतर्राष्ट्रीय कानून और सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का घोर उल्लंघन करते हुए भारत के जबर्जस्त कब्जे में है। कश्मीरी कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था, न ही और न ही होगा।



यूएन से विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया से की अपील

मुद्र में एआई तकनीक का उपयोग आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए है।

वा दें, साथ ही सुरक्षा
का भी ध्यान रखें

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक लोकतांत्रिक पहुंच

जयशंकर ने एआई से मिलने वाले मौकों का फायदा उठाने, इसके नतीजों को और इसके जोखिमों को कम करने की जरूरत पर जोर दिया। इसके अलावा, एआई की जरूरत है जो इनोवेशन को बढ़ावा दे और साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का



देशभर में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से सशक्त हो रहा समाज: चौधरी

हाजपा महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी, मंत्री कृष्णा गौर, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने किया संबोधित

राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही महिलाएं : अश्विनी

परांजपे ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी आज समाज के हर क्षेत्र में बढ़ रही है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार की योजनाओं से महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर मिल रहे हैं, जिससे वे परिवार के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सम्मान और समान अवसर उपलब्ध कराना मजबूत एवं आत्मनिर्भर समाज की आधारशिला है। आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं।

गोविंदपुरा विधानसभा में 'आंगन मिलन सेवा' अभियान का हुआ शुभारंभ

गोविंदपुरा विधानसभा में 'आंगन मिलन सेवा' अभियान का शुभारंभ कार्यक्रम का संबोधित किया। बाग मुगालिया स्थित आंगनबाड़ी में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने आंगनबाड़ी परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर प्रदेश शासन की मंत्री प्रतिमा बागरी, महिला मोर्चा की महामंत्री ज्योति सिंह, सपना वर्मा, मोना सुस्तानी, प्रज्ञा त्रिपाठी, मोनिका ठाकुर, शीला पाटीदार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय रहवासी मौजूद रही।

अटल एक्सप्रेस-वे को जोड़ा जाएगा बटेश्वर से, सीएम हाउस में हुई समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने की प्रदेश में जारी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की

सिंहस्थ की दृष्टिगत उज्जैन से जोड़ने वाली सभी सड़क परियोजनाओं को तेजी से पूर्ण करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ ॥ गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की पहल से प्रदेश में सड़क परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से हो रहा है। इससे औद्योगिक गतिविधियों के साथ ही धार्मिक पर्वतों को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। बैठक में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान की सड़क कनेक्टिविटी नागपुर, जबलपुर और रायपुर से बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्य योजना बनाने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री गडकरी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री निवास में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री गडकरी को प्रदेश की प्रमुख परियोजनाओं और भविष्य के सड़क विस्तार योजनाओं की जानकारी भी दी। बैठक में देवास जिले में सन्दलपुर से नसरूलगंज बायपास, उज्जैन झालावड़ फोरलेन, सतना चित्रकूट फोरलेन, जबलपुर-लखनावतन-रायपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके साथ ही लोनी-बुरहानपुर लिंक के संबंध में भी चर्चा हुई। बैठक में और मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव लोक निर्माण सुखवीर सिंह सहित प्रदेश के वन और राजस्व विभाग तथा केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की पहल से प्रदेश में सड़क परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से हो रहा है। इससे औद्योगिक गतिविधियों के साथ ही धार्मिक पर्वतों को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। बैठक में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान की सड़क कनेक्टिविटी नागपुर, जबलपुर और रायपुर से बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्य योजना बनाने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री गडकरी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री निवास में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री गडकरी को प्रदेश की प्रमुख परियोजनाओं और भविष्य के सड़क विस्तार योजनाओं की जानकारी भी दी। बैठक में देवास जिले में सन्दलपुर से नसरूलगंज बायपास, उज्जैन झालावड़ फोरलेन, सतना चित्रकूट फोरलेन, जबलपुर-लखनावतन-रायपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके साथ ही लोनी-बुरहानपुर लिंक के संबंध में भी चर्चा हुई। बैठक में और मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव लोक निर्माण सुखवीर सिंह सहित प्रदेश के वन और राजस्व विभाग तथा केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे।

सड़क परियोजनाओं को पूर्ण करने में न हो विलंब

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि सड़क परियोजनाओं के निर्माण में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। हर प्रोजेक्ट का डिजाइन सड़क सुरक्षा की दृष्टि से भी तकनीकी मानकों के अनुरूप हो। ऐसे स्थानों पर जहां क्षेत्रीय निवासियों को हो रही कठिनाईयों के कारण, सड़क परियोजनाएं लम्बित हो रही हैं, वहां परस्पर संवाद और समन्वय से समाधान निकाला जाए। भूमि अधिग्रहण और वन स्वीकृति के प्रकरणों में राज्य सरकार के अधिकारी केन्द्रीय मंत्रालयों से परस्पर समर्पक में रहें। किसी भी स्थिति में परियोजनाओं को पूर्ण करने में विलंब न हो। बैठक में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अशोक बागवाल मौजूद थे।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान की नागपुर, जबलपुर और रायपुर से सड़क कनेक्टिविटी बढ़ाने के निर्देश

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का बटेश्वर (उप) से विशेष संबंध रहा है। अटल एक्सप्रेस-वे को निर्माण बटेश्वर तक किया जाएगा। उन्होंने सिंहस्थ : 2028 के दृष्टिगत उज्जैन को जोड़ने वाले सभी मार्गों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने जबलपुर के शहपुरा और ओबी के क्षतिग्रस्त होने से प्रभावित आवागमन के दृष्टिगत नागरिकों की परेशानी को देखते हुए शहपुरा टोल प्लाजा पर टोल वसूली स्थगित करने के निर्देश दिए। गडकरी ने कहा कि बालाघाट जिले में बेहतर रोड नेटवर्क के लिए कार्य योजना बनाई जाए।

पंडित उमाशंकर दुबे का हुआ सम्मान, दशहरा पर्व के समय नियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स को एकसाथ महंगाई मत्ता - महंगाई राहत दें संविदा, आउट सोर्स, सभी कार्मिकों, पेंशनर्स की मांगों को प्रमुखता से उठाने फेडरेशन अधिक सक्रिय होगा: राकेश डीपी पाठक

मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन आपका हार्दिक अभिनंदन करता है

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने बैठक में कहा कि संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों, कंपनी कैडर कार्मिकों, नियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्याओं को तत्परता के साथ प्रमुखता से प्रशासन, प्रबंधन के समक्ष रखने के लिए फेडरेशन को और अधिक प्रयुक्त एवं सक्रिय करना होगा। उन्होंने सभी श्रेणियों के कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर सभी से अनुरोध

किया कि हम सबको एकजुट होकर सभी कर्मियों व पेंशनर्स से लगातार सम्पर्क और संवाद करना हम सबकी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि फेडरेशन का ऊर्जा मंत्री, प्रमुख सचिव ऊर्जा, सीएमडी से अनुरोध है कि परीक्षा देकर नौकरी में आए 15 वर्षों से कार्यरत सभी संविदा कर्मियों को बिना परीक्षा, बिना शर्त नियमित किया जाए। आउट सोर्स कर्मचारियों को नई भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए। अनेक श्रेणियों में लम्बे समय से व्याप्त वेतन विसर्गित दूर की जाए। सीपीसीटी की बूट का आदेश जारी कर हजारों अनुकंपा आश्रितों, पदोन्नति से

वंचित कार्मिकों को नियमित नियुक्ति, पदोन्नति दें। मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि लम्बे समय से लंबित नियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता, महंगाई राहत, परिवार पेंशन राहत के आदेश शीघ्र एक्सप्रेस जारी कर दशहरा के पूर्व सभी को इसका भुगतान कराएं। सभी बिजली कंपनियों के कर्मचारियों के हित और सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए रायपुर सरकार पेंशन को गारंटी ले। इस अवसर फेडरेशन के क्षेत्रीय सचिव पंडित उमाशंकर दुबे को चित्र

गुप्त अखाड़ा का राष्ट्रीय धर्म ज्योतिष सम्मेलन 2026 लखनऊ, उत्तर प्रदेश में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा सम्मानित किया गया है। इस सम्मेलन के लिए मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के सभी कार्यियों ने पंडित उमाशंकर दुबे का स्वागत, सम्मान शाल, श्रीफल फूल माला पहनकर किया। दिनेश दुबे ने ने सभी साथियों से एक जुट होकर कर्मचारियों के हित में लगातार संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन द्वारा सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के हित में लगातार कार्य किया जा रहा है। सतीश गुप्ता ने कहा कि फेडरेशन 15 वर्षों के बाद आज पूरे प्रदेश में हर मांग को पूरी ताकत के साथ प्रबंधन के समक्ष रख रहा है। आज पूरे प्रदेश में फिर फेडरेशन का नाम और विश्वसनीयता बढ़ रही है। उमाशंकर दुबे ने कहा कि हम सबको फेडरेशन का साथ देना चाहिए। फेडरेशन ही एकमात्र संगठन है जिन्से कर्मचारियों के हित में लगातार निर्णय कराए जा सकें। इसके बाद पुलिस अधिकांशियों ने सख्ति शोषण की मजदूरों को अपना निशाना बनाते थे। आरोपी मजदूरों को एडवांस रकम देने का लालच देकर अपने जाल में फंसाते थे और फिर उन्हें छत्तीसगढ़ से दूसरे राज्यों के ईंट भट्ठा व अन्य काम-धंधों के लिए भेज देते थे। पुलिस का आरोप है कि वहां मजदूरों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया जाता था तथा डर, दबाव व धमकी के बल पर उनकी आवाजही पर सख्त नियंत्रण रखा जाता था।

जांच में गिरोह को लेकर कई अहम जानकारीयां सामने आई हैं। गिरोह के सदस्य मुख्य रूप से आर्थिक रूप से कमजोर और गरीब परिवारों के मजदूरों को अपना निशाना बनाते थे। आरोपी मजदूरों को एडवांस रकम देने का लालच देकर अपने जाल में फंसाते थे और फिर उन्हें छत्तीसगढ़ से दूसरे राज्यों के ईंट भट्ठा व अन्य काम-धंधों के लिए भेज देते थे। पुलिस का आरोप है कि वहां मजदूरों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया जाता था तथा डर, दबाव व धमकी के बल पर उनकी आवाजही पर सख्त नियंत्रण रखा जाता था।

करीब डेढ़ करोड़ नकद बरामद, दस ठिकानों पर पुलिस ने की छापेमारी, नोट गिनने की मशीन भी जब्त

मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी से जुड़े संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ॥ महासमुंद्र

छत्तीसगढ़ के महासमुंद्र पुलिस ने मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी से जुड़े बड़े संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरोह के दस ठिकानों पर एक साथ छापेमारी करके 1,48,54,750 रुपये नकद और एक नोट गिनने की मशीन जब्त की है। पुलिस ने पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के कश्चित मास्टरमाइंड मुकेश चंद्राकर समेत उसके चार अन्य सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया है। मौके से बड़ी मात्रा में मजदूरों के पलायन से जुड़े रजिस्टर, डायरियां, मोबाइल फोन, पासबुक और वित्तीय दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, इस गिरोह के तार छत्तीसगढ़ के अलावा पड़ोसी राज्य ओडिशा और देश के कई अन्य राज्यों से जुड़े हुए हैं।

शारीरिक शोषण की सूचना से खुला राज

नाबालिग बालिका नेटवर्क का खुलासा एक अस्पताल के मेमो से हुआ। बीते 21 सितंबर को पुलिस की सरकारी अस्पताल से एक मेमो मिलता था। मेमो में एक नाबालिग बालिका के शारीरिक शोषण और उसके गर्भवती होने की जानकारी दी गई थी। पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। शुरूआती जांच के दौरान पुलिस को क्षेत्र में मानव तस्करी, बंधुआ मजदूरी और मजदूरों के संगठित पलायन से जुड़े एक संगठित गिरोह की मौजूदगी के सुराग मिले। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने सख्ति ठिकानों और गिरोह से जुड़े लोगों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखनी शुरू कर दी। दस ठिकानों पर एक साथ छाप।

कई राज्यों से जुड़े नामले के तार

पलायन से जुड़े दस्तावेज भी बरामद

गिरोह की मौजूदगी के सुराग

जांच में गिरोह को लेकर कई अहम जानकारीयां सामने आई हैं। गिरोह के सदस्य मुख्य रूप से आर्थिक रूप से कमजोर और गरीब परिवारों के मजदूरों को अपना निशाना बनाते थे। आरोपी मजदूरों को एडवांस रकम देने का लालच देकर अपने जाल में फंसाते थे और फिर उन्हें छत्तीसगढ़ से दूसरे राज्यों के ईंट भट्ठा व अन्य काम-धंधों के लिए भेज देते थे। पुलिस का आरोप है कि वहां मजदूरों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया जाता था तथा डर, दबाव व धमकी के बल पर उनकी आवाजही पर सख्त नियंत्रण रखा जाता था।

जांच में गिरोह को लेकर कई अहम जानकारीयां सामने आई हैं। गिरोह के सदस्य मुख्य रूप से आर्थिक रूप से कमजोर और गरीब परिवारों के मजदूरों को अपना निशाना बनाते थे। आरोपी मजदूरों को एडवांस रकम देने का लालच देकर अपने जाल में फंसाते थे और फिर उन्हें छत्तीसगढ़ से दूसरे राज्यों के ईंट भट्ठा व अन्य काम-धंधों के लिए भेज देते थे। पुलिस का आरोप है कि वहां मजदूरों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया जाता था तथा डर, दबाव व धमकी के बल पर उनकी आवाजही पर सख्त नियंत्रण रखा जाता था।

महिला कार्यकर्ता समाज के बीच पहुंचकर सेवा और संपर्क के कार्यों को आगे बढ़ाएंगी

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में महापुरुषों की प्रतिमाओं पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इसके बाद उन्होंने महिला कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर मोर्चा की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता बहनों से संवाद किया। महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों के निरंतर जनसेवा एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में महिला मोर्चा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की समस्याओं और आवश्यकताओं को समझते हुए नारी शक्ति को केवल घर तक सीमित न रखकर राष्ट्र शक्ति के रूप में आगे बढ़ाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के अवसर प्रदान किए हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला मोर्चा को 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का दायित्व मिला है, जिसके माध्यम से महिला कार्यकर्ता समाज के बीच पहुंचकर सेवा और संपर्क के कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। इस दौरान महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, पार्टी की पूर्व प्रदेश उपअध्यक्ष एवं पूर्व महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सीमा सिंह जादवन, सहित अन्य उपस्थित रहे।

विज्ञान और गणित जैसे विषय पढ़ाएंगे अक्टूबर से आरंभ होगी स्कूलों में ऑनलाइन लाइव कक्षाएं

प्रत्येक शनिवार होगा बैग-लेस डे का उपयोग

स्कूलों में प्रत्येक शनिवार को होने वाले बैग-लेस डे का उपयोग अब प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए किया जाएगा। विशेष रूप से कक्षा पांचवीं और आठवीं के विद्यार्थियों को साइंस ओलंपियाड, एनएमएमएसई, श्रेष्ठ, नवोदय और प्रयास जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाएगा। मध्याह्न भोजन यानी मिड-डे-मील को लेकर भी स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सेंट्रल किचन वाले स्कूलों को छोड़कर अन्य सभी विद्यालयों में भोजन परिसर के भीतर ही तैयार कराया जाएगा। विभाग ने रसीईधर की नियमित सफाई और पोताई कराने के निर्देश जारी किए हैं। एक्सपायरी डेट वाले मसालों के प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा।

हरिभूमि न्यूज़ ॥ रायपुर

शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग अक्टूबर से प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में विज्ञान और गणित जैसे कठिन विषयों की संभाव्यता ऑनलाइन लाइव कक्षाएं आरंभ करने जा रहा है। इन कक्षाओं में विषय विशेषज्ञ सीधे विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे और पढ़ाई के दौरान उठने वाली शंकाओं का समाधान करेंगे। जिन स्कूलों में विषय शिक्षकों की कमी है, वहां स्मार्ट बोर्ड, दीक्षा पोर्टल और अन्य डिजिटल माध्यमों की सहायता से अध्यापन कार्य कराया जाएगा। साथ ही, मिड-डे-मील स्कूल परिसर में ही बनाने और पहले शिक्षकों के चर्खे जाने को आवश्यक बनाया गया है।

संभाव्य स्तर से होगा कक्षाओं का संचालन

छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग की इस नई व्यवस्था के अंतर्गत भौतिकशास्त्र, रसायनशास्त्र, जीव विज्ञान और गणित जैसे महत्वपूर्ण विषयों की ऑनलाइन लाइव कक्षाओं का संचालन संभाव्य स्तर से होगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों के विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट विषय विशेषज्ञों से पढ़ाने का अवसर देना है, जहां संबंधित विषयों के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। शिक्षा विभाग ने सभी विद्यालयों को एक तय ब्लूप्रिंट के अनुसार ही कक्षाओं में पढ़ाई कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कक्षाओं में नियमित अध्ययन और विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की निगरानी पर विशेष जोर दिया गया है। वर्तमान सत्र में अब लगभग 49 अध्यापन दिवस ही शेष बचे हैं। इसे ध्यान में रख विभाग ने दिसंबर तक पाठ्यक्रम पूरा कराने का लक्ष्य

तय किया है। शिक्षा विभाग ने समस्त विद्यालयों को पढ़ाई की सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं और विभाग स्तर से स्कूलों की निरंतर निगरानी की जाएगी। मूल पाठ्यपुस्तकों के बजाय बाजार में उपलब्ध गाइड से पढ़ाने वाले शिक्षकों के प्रति विभाग ने कड़ा रुख अपनया है। ऐसे शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कक्षा पांचवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों की बुनियादी शैक्षणिक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए भी विशेष लक्ष्य तय किए गए हैं। विभाग ने सभी बच्चों को हिंदी और अंग्रेजी भाषाएं धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम बनाने पर जोर दिया है। दिसंबर तक इन शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने वाले उत्कृष्ट विद्यालयों और बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा।

मित्र के घर में छिपा हुआ था फरार आरोपी हिंसक विवाद मामले में पुलिस ने आरोपी को पन्ना से किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ॥ बिलासपुर

जिले के खपरगंज क्षेत्र में हुए हिंसक विवाद मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी और हिंदूवादी नेता राम सिंह ठाकुर को पुलिस ने मध्यप्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को मध्यप्रदेश के पन्ना जिले से पकड़ा, जहां वह अपने एक मित्र के घर पर छिपा हुआ था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

नगर पंकज पटेल ने इस गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि की है। पुलिस आरोपी को बिलासपुर ले आई है और उसे न्यायालय में प्रस्तुत करेगी। 28 अगस्त की रात हुए इस उपद्रव के दौरान पथराव में तारबाहर थाना प्रभारी रवि तिवारी सहित नौ पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिलाधिकारी संजय अग्रवाल ने क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की थी।



विशेष: गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

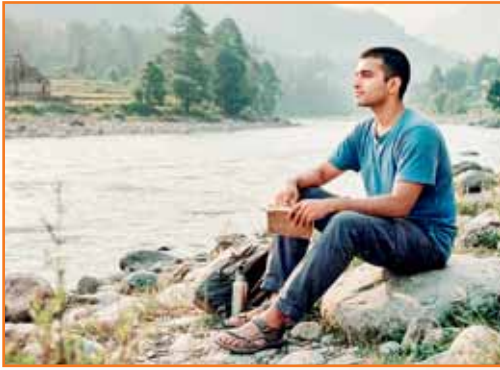
महात्मा गांधी ने सिखाई संतुलित जीवन की कला

भारत को स्वाधीनता दिलाने में तो गांधीजी की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी ही, साथ ही उन्होंने ऐसी जीवनशैली को अपनाया, जो आज भी हम सभी के लिए आदर्श बनी हुई है। यही वजह है कि भले ही हम नए-नए नामों और परिभाषाओं का प्रयोग कर रहे हों, लेकिन आज भी महात्मा गांधी द्वारा अपनाई गई जीवनशैली और उनके संदेश हमें सुकूनदायक जीवन जीने की दिशा दिखाती है।

नहीं था। वह इसे आत्म-अनुशासन और आत्मनिरीक्षण से भी जोड़कर देखते थे। आज हम 'इंटरमिटेंट फास्टिंग' या 'क्लीन ईटिंग' जैसे शब्दों के साथ अपने खान-पान की निगरानी करते हैं। गांधीजी के लिए उपवास का अर्थ इससे कहीं व्यापक था। वह इसे आत्मशुद्धि और आत्मसंयम का माध्यम मानते थे। उनके लिए सवाल सिर्फ यह नहीं था कि शरीर को क्या और कितना चाहिए बल्कि यह भी था कि इच्छाओं पर कितना नियंत्रण रखा जा सकता है।

कम चीजों में ज्यादा सुख

मिनिमलिज्म की बात करें तो गांधीजी का जीवन उसका सबसे स्पष्ट उदाहरण हमारे सामने प्रस्तुत करता है। उनके पास जरूरत की कुछ ही चीजें थीं। चश्मा, घड़ी, कुछ बर्तन, चरखा और खादी के कपड़े। उनकी यह जीवनशैली किसी अभाव के कारण नहीं थी बल्कि यह उनका एक सचेत चुनाव था। वह लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि जीवन को समृद्ध बनाने का एक रास्ता अपनी जरूरतों को बढ़ाना नहीं बल्कि उन्हें सीमित करना भी है। आज 'कम चीजें, कम उलझन' या 'लेस इज मोर' जैसी अवधारणाएं आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी हैं। लोग अपनी अलमारियां छोटी कर रहे हैं, गैरजरूरी सामान हटा रहे हैं



धीमी जिंदगी का आनंद

‘स्लो लिविंग’ का एक दिलचस्प रूप गांधीजी के चरखे में भी दिखाई देता है। चरखा तेज गति और अधिक उत्पादन का प्रतीक नहीं था। उसमें धैर्य था, दोहराव था और एकाग्रता थी। गांधीजी नियमित रूप से चरखा चलाते थे। हाथ एक लय में चलते रहते और मन को ठहरने का अवसर मिलता। आज ‘स्लो मॉर्निंग’, ‘माइंडफुलनेस’ और ‘माइंडफुल कुकिंग’ जैसे शब्द प्रचलन में हैं। तेज रफ्तार जिंदगी से कुछ पल निकालकर धीरे चलने और किसी काम को पूरी एकाग्रता से करने की कोशिश हो रही है। चरखे की धर-धर में ऐसी ही एक लय भारतीय समाज में बहुत पहले से मौजूद थी।

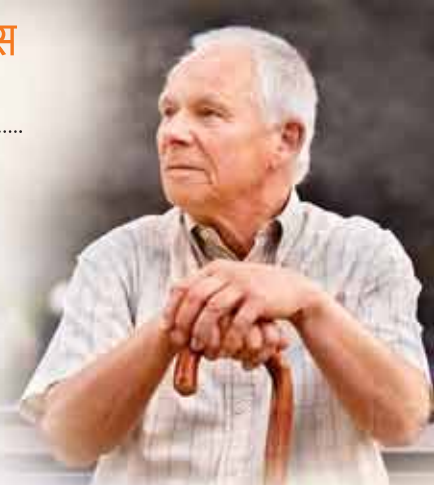
जीवन जीने का आदर्श तरीका

हालांकि गांधीजी की जीवनशैली को आज के वेल्नेस ट्रेंड्स के साथ पूरी तरह जोड़ देना सही नहीं होगा। उनके लिए यह सिर्फ बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति या व्यक्तिगत उत्पादकता का साधन नहीं थी। उनके लिए इसका रिश्ता अहिंसा, स्वदेशी, आत्मसंयम और सामाजिक जिम्मेदारी से भी था। उनका भोजन उनके नैतिक विचारों से जुड़ा था और उनकी मितव्ययता उनके सामाजिक-राजनीतिक विचारों से। यही वह फर्क है, जिसे समझना जरूरी है। आज मिनिमलिज्म कई बार व्यक्तिगत सुविधा और बेहतर जीवन के फॉर्मूले के रूप में सामने आता है। गांधीजी की सोच का दायरा उससे कहीं बड़ा था। वह व्यक्ति से शुरू होकर समाज और अंततः आत्मा तक जाती थी।

फिर भी आज के इन तमाम चलनों में गांधीजी के जीवन की एक पुरानी छाया जरूर दिखाई देती है। फर्क बस इतना है कि आज हम अपनी आदतों को एप में दर्ज करते हैं, स्क्रीन टाइम नापते हैं, डिटॉक्स चैलेंज लेते हैं और मिनिमलिज्म पर किताबें पढ़ते हैं। गांधीजी ने इनमें से किसी चीज को नाम नहीं दिया। उन्होंने बस उन्हें जिया। शायद यही इस पूरी कहानी का सबसे दिलचस्प पहलू है। गांधीजी ने अपना उदाहरण प्रस्तुत कर ऐसी जीवनशैली अपनाई, जो आज भी हम सबके लिए आदर्श बनी हुई है। यही उनके व्यक्तित्व और जीवनशैली की विराटता है, जो उन्हें महामुरुष बनाती है। k

विशेष: अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस 1 अक्टूबर

बुजुर्गवस्था में लोगों को अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनके समाधान के लिए जीवंतता के साथ कुछ उपायों पर अमल करना कारगर हो सकता है।



ढलती उम्र की चुनौतियां जीवंतता से होगा समाधान

जीवनशैली / शिखर चंद जैन

पचपन-साठ वर्ष की आयु पार करना मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ाव होता है। वृद्धावस्था में कदम बढ़ाते इस चरण में शारीरिक क्षमता में कमी, मानसिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव, आर्थिक अनिश्चितता तथा सामाजिक स्थितियों में बदलाव जैसी कई चुनौतियां एक साथ सामने आती हैं। इस दौरान शरीर और समाज दोनों के स्तर पर हमारी भूमिकाएं भी बदलती हैं। इस उम्र में शारीरिक सक्रियता भी पहले से कम होने लगती है। इन बदलावों के कारण व्यक्ति को एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान संतुलित जीवनशैली और सकारात्मक उपायों से संभव है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और समाजशास्त्र के अनुसार, इस आयु वर्ग को ‘सक्रिय वृद्धावस्था’ की तैयारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

शारीरिक समस्याएं-समाधान: इस उम्र के पुरुषों में एंजोजन और महिलाओं में मेनोपॉज के कारण एस्ट्रोजन का स्तर तेजी से गिरता है। इससे मेटाबोलिज्म धीमा होता है और वजन बढ़ने के साथ मांसपेशियों का घटने और हड्डियों के कमजोर होने जैसी समस्याएं होती हैं। साथ ही क्रोनिक बीमारियां जैसे उच्च रक्तचाप,

‘स्लीप फाउंडेशन’ के अनुसार, इस उम्र में मस्तिष्क से टॉक्सिंस जैसे अमाइलॉइड बीटा प्रोटीन को साफ करने के लिए 7-8 घंटे की गहरी नींद आवश्यक है। इसके लिए सोने का समय निश्चित करें और स्क्रीन टाइम कम करें। माइंडफुलनेस और मेडिटेशन का अभ्यास भी जरूरी है। **भावनात्मक समस्याएं-समाधान:** इस उम्र में अधिकांश लोग एंटी नेस्ट सिंड्रोम से जूझते हैं। घर खाली-खाली लगता है, उदासी घेर लेती है। कभी उपेक्षा महसूस होती है, कभी बच्चों की याद सताती है। इस स्थिति में उम्र बढ़ने का डर, मृत्यु की चिंता या अतीत के पछतावे के कारण डिप्रेशन और स्ट्रेस बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी एक प्रमाणित मनोवैज्ञानिक पद्धति है, जो नकारात्मक विचार चक्रों को तोड़ने में मदद करती है। समस्या ज्यादा हो तो किसी योग्य थेरेपिस्ट की मदद लें। डायरी या जर्नल लिखने की आदत डालें। पॉजिटिव साइकोलॉजी के अनुसार, रोज रात को तीन अच्छी बातें लिखने से डोपामाइन और सेरोटोनिन नामक हैप्पी हार्मोंस का स्तर बढ़ता है। इसके अलावा जापानी अवधारणा ‘इकिगाई’ अपना सकते हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों के पास सुखह उठने का एक स्पष्ट उद्देश्य जैसे कोई हॉबी, बागवानी या समाज सेवा होता है, उनका जीवनकाल लंबा होता है और मन शांत रहता है।



सामाजिक समस्याएं-समाधान: हार्वर्ड के 85 साल लंबे चले एक अध्ययन ने साबित किया कि स्वस्थ और खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा कारक अच्छे रिश्ते हैं, न कि पैसा या प्रसिद्धि। जबकि उम्र के इस दौर में व्यस्तता में कमी, अकसर शारीरिक कठों या अन्य कारणों से सहयोगियों, समकालीन मित्रों या प्रियजनों से न मिल पाने से सामाजिक दायरा सिकुड़ने लगता है। जेनरेशन गैप के कारण वे उपेक्षित महसूस करते हैं। बेहतर होगा कि आप स्थानीय क्लबों, सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ या धार्मिक लिफ्ट प्रोफाइल, एचबीएसपी, बोन डॉसटी टेस्ट और कैंसर स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से कराएं। **मानसिक समस्याएं-समाधान:** इस उम्र में याददाश्त का कमजोर होना, ध्यान में केंद्रित करने में कठिनाई और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों जैसे अल्जाइमर या डिमेंशिया का जोखिम होता है। मस्तिष्क की प्लास्टिसिटी में कमी आने लगती है। नई तकनीक या बदलावों को सीखने में मानसिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है।

न्यूरो साइंस कहता है कि दिमाग को नई चुनौतियों में लगाने से नए न्यूरोन्स बनते हैं। इसके लिए कोई नई भाषा सीखें, वाद्य यंत्र बजाएं या जटिल पहेलियां सुलझाएं। साथ ही रोज पर्याप्त क्वालिटी स्लीप लें।

आजकल हर दूसरे, तीसरे इंस्टाग्राम रील में कोई न कोई ‘डिजिटल डिटॉक्स चैलेंज’ लेकर बैठा दिखाई देता है। कोई सात दिन फोन से दूर रहने का दावा करता है, तो कोई ‘स्लो लिविंग’ के

नाम पर सुबह की चाय भी कैमरे के सामने धीरे-धीरे पीता नजर आता है। मिनिमलिज्म अब जीवनशैली का एक लोकप्रिय चलन है। इससे संबंधित किताबें मिल जाती हैं, यू-ट्यूब चैनल हैं और बाकायदा कोच भी हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जिस जीवन-पद्धति को आज अकसर पश्चिमी दुनिया से आए नए चलन की तरह देखा जाता है, उसकी जड़ें हमारे अपने यहां बहुत पहले से मौजूद थीं। दशकों पहले महात्मा गांधी ने अपने जीवन के द्वारा इसकी मिसाल कायम कर दी थी।

खान-पान में आत्मानुशासन

इतिहास महात्मा गांधी को मुख्यतः एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में याद करता है, लेकिन उनका जीवन अपने आप में लगातार चलने वाला एक प्रयोग भी था। यह प्रयोग उनके शरीर, भोजन, पहनावे, काम करने के तरीके और रोजमर्रा की जरूरतों तक फैला हुआ था। गांधीजी का मानना था कि जिसे हम जरूरत समझते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा दरअसल, हमारी आदत, इच्छा या सुविधा होती है। इसलिए उन्होंने अपने जीवन में बार-बार यह परखने की कोशिश की कि कम से कम में भी जीवन को संतुलित और सार्थक कैसे रखा जा सकता है? उनका खान-पान इसी सोच का हिस्सा था। बकरी का दूध, फल, उबली सब्जियां और सादा भोजन उनके प्रयोगों में शामिल रहे। उन्होंने अलग-अलग समय पर नमक, घी और कई दूसरी चीजों को छोड़कर भी देखा। भोजन उनके लिए सिर्फ स्वाद या शरीर की जरूरत भर



और सीमित चीजों में व्यवस्थित जीवन तलाश रहे हैं। गांधीजी ने इस विचार को किसी ट्रेंड या बाजार की भाषा के बिना अपने जीवन में उतारा था।

दुनियादारी से दूरी से मिले सुकून

डिजिटल डिटॉक्स की बात करें तो गांधीजी का मौन-व्रत भी याद आता है। वह सप्ताह में एक दिन मौन रखते थे। उस दिन बातचीत से दूरी बनाकर वह लिखकर या संकेतों के जरिए अपना काम चलाते थे। यह सिर्फ बोलना बंद कर देना नहीं था। मौन उनके लिए आत्मचिंतन का अवसर था। आज हम लगातार बजती सूचनाओं, संदेशों और स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाने के लिए डिजिटल डिटॉक्स करते हैं। कुछ घंटों के लिए फोन बंद करते हैं और उम्मीद करते हैं कि दिमाग को थोड़ा सुकून मिलेगा। गांधीजी के समय में फोन या सोशल मीडिया नहीं हुआ करता था, लेकिन बाहरी शोर से दूरी और भीतर की आवाज सुनने की जरूरत तब भी उतनी ही थी।



कविता

हेमधर शर्मा

मृग-मरीचिका

क्यों अक्सर ऐसा होता है जो पास हमारे होता है वर उतना ख़ास नहीं लगता जितना मरसूँस चले जाने पर होता है! जब नहीं अधिक सुविधाएं थीं तो कष्ट-असुविधा भरी जिंदगी लगती थी पर सुविधा बढ़ जाने पर भी क्यों समय सुहाना वही पुराना लगता है! कट जाए उम्र सुख-सुविधा में हम यही कामना करते हैं संघर्षहीन जीवन का फिर क्यों अंत निरर्थक लगता है!

सबसे आगे रहने का जुनून

एंबुलेंस सायरन बजाती हुई निकले तो बाइक-वीर इसे रास्ता देने का संकेत नहीं, दौड़ की चुनौती समझता है। वह घायल से पहले अस्पताल पहुंचना चाहता है।



मिलेंगे। मुफ्त में जहर बंट रहा हो तो भी चिंता जहर की नहीं होगी। डर यह रहेगा कि हमारे पहुंचने से पहले समाप्त न हो जाए। अपने ओपीडी में भी मैं इस सामाजिक चरित्र का क्लिनिकल परीक्षण करता रहता हूं। दो महीने पुराना फ्रैक्चर, पहले दिखाने के चक्कर में, अभी-अभी टूटा बताया जाता है। कोई नेताजी का फोन लगवाता है, कोई डॉक्टर का भाई, भतीजा या रिश्तेदार बन जाता है। बीमारी प्रतीक्षा कर सकती है, नंबर नहीं।

एक दिन वेंटिंग रूम में एक मरीज बैठा था। रिसेप्शनिस्ट ने कहा, ‘आप अकेले हैं, दिखा लीजिए’ वह बोला, ‘थोड़ी देर और बैठता हूं। जब तक दूसरा मरीज आएगा नहीं, प्रमाणित कैसे होगा कि डॉक्टर को सबसे पहले मैंने दिखाया? विजय के लिए प्रतिद्वंद्वी भी तो चाहिए।’

रेलवे प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकने से पहले हमारा उतरना और चढ़ना शुरू हो जाता है।

भीतर वाला बाहर आने को बेचैन, बाहर वाला भीतर जाने को आतुर, दरवाजे पर दोनों पहले में-पहले में की ‘तू-तू मैं-मैं’ में भिड़ते हैं। कभी जेब कटती है, कभी कुर्ता फटता है, कभी सामान छूटता है और कभी बच्चा।

हवाई यात्रा में भी हम बोर्डिंग से घंटा भर पहले पंक्ति बना लेते हैं, मानो विमान हमारे बिना चोरी से उड़ जाएगा। उतरते समय सीट-बेल्ट का संकेत बंद होते ही पूरा केबिन खड़ा हो जाता है।

फिर गर्दन झुकाकर दस मिनट खड़े रहना मंजूर है, क्योंकि बैठे रह गए तो एयरहोस्टेस की ‘बाय-बाय’ किसी और को पहले मिल जाएगी। टिकट का पूरा मूल्य इसी विदाई में वसूलना है। बैंक, राशन, वांशरूम, आरक्षण-खिड़की और मंदिर, हर जगह हमारी आत्मा कतार से आगे विचरण करती है। मंदिर में भगवान सर्वव्यापी हो सकते हैं, लेकिन दर्शन तभी सफल है, जब बैरिकेड लांचकर दूसरों से पहले किए जाएं।

यहां तक कि शवयात्रा में भी कुछ लोग अर्थी से आगे निकलने को बेचैन दिखते हैं। मृतक बोल पाता तो शायद उठकर कहता, ‘भाई, तुझे इतनी जल्दी है तो तू ही यहां लेट जा, मैं अगली बारी देख लूंगा।’ संभव है सज्जन अग्रिम बुकिंग, लर्कडिगों पर छूट या मोक्ष में शुरुआती नंबर की संभावना तलाश रहे हों।

दरअसल, दूसरे नंबर पर आते ही हमें हारने का अहसास होने लगता है। k

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-

स्टेनोसिस, स्पाण्डिलोलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस टीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है ?

सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं ?

सर्जरी के बाद पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंट्रालाट फैलियर जैसे कॉम्प्लिकेशन इसमें नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है ?

डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइंट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?

15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है ?

एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस टीटमेंट की सफलता की दर कितनी है ?

90 से 95% सफल है।

इस टीटमेंट का असर कब तक रहता है ?

इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है ?

नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया

स्पाइन सर्जन

ओल्ड श्री लॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)

समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक

सम्पर्क - 7354858466

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)

पूर्व सर्जन - सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेंटर, नई दिल्ली

छात्रसंघ पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में है **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना

'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी



ज्ञान में 'रिकवरी' वाले रिटायर्ड अफसर को फिर संविदा!

रिटायरमेंट के बाद फिर सरकारी कुर्सी का खेल...!

हरिभूमि, जबलपुर।

रिटायरमेंट के बाद फिर सरकारी कुर्सी का खेल जबलपुर में बहुत खेला जा रहा है, बेरोजगार रोजगार कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं और रिटायर्ड अधिकारी अपने संबंधों के आधार पर पुनः सरकारी कुर्सी पर जमे हुए नजर आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नागरिक आपूर्ति निगम में देखने मिल रहा है जहाँ पर एक संविदा नियुक्तियों को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। मामला उस पूर्व अधिकारी से जुड़ा है, जिसके खिलाफ विभागीय जांच में परिवहन भुगतान के नियमों की अनदेखी सामने आई और उसके बाद 6 लाख 28 हजार 19 रुपए की वसूली की शर्त पर अधिरोपित की गई। बताया जाता है कि मामला डिंडोरी जिले में तत्कालीन प्रभारी जिला प्रबंधक अरविंद जैन के कार्यकाल का है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस अधिकारी के खिलाफ सरकारी भुगतान से जुड़े मामले में वसूली का आदेश हुआ, उसी अधिकारी को सेवानिवृत्ति के बाद नान के जबलपुर कार्यालय में संविदा पर दोबारा जिम्मेदारी कैसे मिल गई? जानकारी के मुताबिक अरविंद जैन को टेंडर प्रक्रिया से जुड़े काम के लिए संविदा पर रखा गया है और करीब 40 हजार रुपए प्रतिमाह भुगतान किया जा रहा है।

पहले भुगतान में नियमों की अनदेखी, फिर वसूली

दस्तावेजों के मुताबिक वर्ष 2016-18 की निविदा की कंडिका 39.1 में जिला प्रबंधक को WHR मात्रा के 75 प्रतिशत तक भुगतान करने का अधिकार था। इसके बावजूद तत्कालीन प्रभारी जिला प्रबंधक द्वारा परिवहनकर्ताओं को दी गई सूचना के आधार पर करीब 62 लाख रुपए का भुगतान किया गया। जांच में इस भुगतान को निविदा प्रावधानों के विपरीत माना गया। मामले की जांच के लिए गठित दल ने 8 मई 2023 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में तत्कालीन जिला प्रबंधक द्वारा अधिक भुगतान किए जाने की पुष्टि की गई।

25.12 लाख रु. से ज्यादा भुगतान की स्थिति

जांच में सामने आया कि नियमों का पालन नहीं किए जाने के कारण 25 लाख 12 हजार 76 रुपए से अधिक भुगतान की स्थिति निर्मित हुई। इसके बावजूद अधिक भुगतान की स्थिति में मुख्यालय से आवश्यक दर स्वीकृति प्राप्त नहीं की गई। सवाल यह है कि इतनी बड़ी राशि के भुगतान से पहले क्या वरिष्ठ अधिकारियों ने दस्तावेजों और निविदा शर्तों की जांच नहीं की? यदि जांच की गई थी तो भुगतान को मंजूरी कैसे मिली?

बिना देयक 40.04 लाख का अंतरिम भुगतान

दस्तावेजों में परिवहनकर्ता संजय सिंह को 40 लाख 4 हजार 567 रुपए का अंतरिम भुगतान बिना देयक प्रस्तुत किए जाने का भी उल्लेख है। बाद में देयक के आधार पर 11 लाख 33 हजार 841 रुपए की अंतिम भुगतान राशि क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर की अनुमति से जारी की गई। वर्ष 2018-19 में वैकल्पिक परिवहनकर्ता मेसर्स कन्हैयालाल रजक को 14 लाख 52 हजार 937 रुपए के भुगतान का भी उल्लेख जांच रिकॉर्ड में है।

नियम 10(4) में कार्रवाई, फिर भी संविदा!

प्रकरण में मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 10(4) के तहत कार्रवाई की गई। दस्तावेज के अनुसार अरविंद जैन के संबंध में विभागीय प्रकरण समाप्त किया गया, लेकिन उनके खिलाफ 6,28,019 की वसूली की शर्त पर अधिरोपित की गई, जिसे उनके शेष स्वत्वों से वसूल किए जाने के निर्देश दिए गए। यहीं से कहानी का सबसे बड़ा सवाल शुरू होता है। यदि विभागीय रिकॉर्ड में आर्थिक वसूली की शर्त मौजूद थी, तो सेवानिवृत्ति के बाद संविदा नियुक्ति देते समय इस रिकॉर्ड का परीक्षण किसने किया? एक तरफ सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति, दूसरी तरफ विभागीय रिकॉर्ड में वसूली की शर्त और फिर उसी निगम में संविदा नियुक्ति।

इसके बारे में कुछ नहीं पता

अरविंद जैन रीजनल कार्यालय में टेंडर का कार्य देखते हैं, उनकी नियुक्ति भोपाल स्तर से की गई है, इसके बारे में मुझे कुछ नहीं पता।

साधना परस्ते

रीजनल मैनेजर नागरिक आपूर्ति निगम जबलपुर

बारिश के चलते रेलवे की पीईटी परीक्षा स्थगित

जबलपुर। लगातार चक्रवाती बारिश और रेलवे स्टेडियम मैदान में जलभराव के चलते पश्चिम मध्य रेल प्रशासन ने 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक प्रस्तावित शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) स्थगित कर दी है। रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ (RRC) द्वारा CEN-08/2024 (लेवल-1) के तहत आयोजित होने वाली यह चार दिवसीय परीक्षा अग्रिम आदेश तक स्थगित रहेगी। भारी बारिश के कारण रेलवे स्टेडियम मैदान में पानी और कीचड़ भर गया है, जिससे दौड़ सहित अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए मैदान असुरक्षित हो गया है। अस्थिरियों की खुरदरा और सूखी को परीक्षा में समागन अवसर उपलब्ध करने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। नई परीक्षा तिथियों की घोषणा मौसम सामान्य होने के बाद आधिकारिक माध्यमों से की जाएगी। रेलवे प्रशासन ने अस्थिरियों से अफवाहों पर ध्यान न देने और परीक्षा संबंधी अद्यतन जानकारी के लिए पश्चिम मध्य रेल की आधिकारिक वेबसाइट देखते रहने की अपील की है।

सक्षम अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। ऐसे में पटवारियों को इस प्रकार की जिम्मेदारी सौंप जाने के लिए स्पष्ट वैधानिक और प्रशासनिक प्रविधान होना चाहिए। याचिका में यह भी कहा गया था कि स्वामित्व योजना के तहत संपत्तियों के अभिलेख तैयार करने के दौरान भविष्य में मालिकाना हक, सीमांकन और बंटवारे जैसे विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में पटवारियों के व्यक्तिगत रूप से कानूनी विवादों और मुकदमों में उलझने की आशंका भी जताई गई थी।

संघ ने सरकार के 13 अगस्त के आदेश की जानकारी उसे मिलने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए थे। याचिका के अनुसार संघ ने सात और 10 सितंबर को अपनी आपत्तियां दर्ज कराई थीं। इसके बाद 11 सितंबर को आदेश की प्रति वाट्सएप के माध्यम से साझा किए जाने का दावा किया गया था। इसी आधार पर संघ ने आदेश जारी करने की प्रक्रिया को लेकर भी आपत्ति जताई थी।

430 दिन फाइल घूमती रही, लोकायुक्त की अपील हाईकोर्ट ने निरस्त की

एक टेबल से दूसरी टेबल घूमती फाइल देरी का पर्याप्त कारण नहीं, सरकारी सुस्ती का खामियाजा बरी आरोपियों को नहीं भुगतता जा सकता

जबलपुर। भ्रष्टाचार के मामले में दो आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देने में लोकायुक्त की ओर से हुई 430 दिन की देरी हाईकोर्ट ने माफ करने से इनकार कर दिया। जस्टिस संजीव कलगांवकर की सिंगल बेंच ने कहा कि सरकारी फाइल का एक टेबल से दूसरे टेबल तक घूमना, अधिकारियों से अनुमति लेने और कानूनी राय प्राप्त करने में लगा समय अपने आप में इतनी लंबी देरी को उचित नहीं ठहरा सकता। कोर्ट ने देरी माफ करने का आवेदन खारिज करते हुए लोकायुक्त की ओर से दायर अपील भी निरस्त कर दी। मामला विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त, रीवा से संबंधित है। विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार के आरोपों का समागन कर रहे बलाक शिक्षा अधिकारी आनंद प्रकाश सिंह तिवारी और सहायक वेड-थी विनय श्रीवास्तव को बरी कर दिया था। इस फैसले के विरुद्ध लोकायुक्त की ओर से हाई कोर्ट में अपील दायर की गई, लेकिन अपील प्रस्तुत करने में 430 दिन का विलंब हो गया। आरोपियों की ओर से देरी पर आपत्ति जताई गई। देरी को उचित ठहराते हुए लोकायुक्त की ओर से बताया गया कि अपील दायर करने की अनुमति से संबंधित फाइल जिला अभियोजन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस महाविदेशक, विधि विभाग और महाधिवक्ता कार्यालय तक गई। इस दौरान कानूनी राय लेने और विभागीय स्वीकृतियां प्राप्त करने में समय लगा। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस

प्रशासनिक प्रक्रिया को 430 दिन की देरी का संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि फाइल को एक टेबल से दूसरी टेबल पर भेजते रहना देरी का पर्याप्त और संतोषजनक कारण नहीं हो सकता। सरकारी कार्यालयों में निर्णय लेने की प्रक्रिया में लगने वाला समय इस तरह की लंबी देरी को स्वतः न्यायोचित नहीं बना देता। अदालत ने प्रशासनिक स्तर पर हुई देरी को सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली से जुड़ा विषय माना। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मामला भ्रष्टाचार के आरोपों से संबंधित होने मात्र से कानूनी समयसीमा की अनदेखी का अधिकार नहीं मिल जाता। सरकारी विभाग को निर्धारित अवधि में कानूनी कार्रवाई के लिए आवश्यक कदम उठाने होते हैं। प्रशासनिक प्रक्रिया में हुई देरी का प्रतिकूल प्रभाव बरी किए जा चुके आरोपितों के अधिकारों पर नहीं डाला जा सकता। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि सक्षम अदालत से बरी हो चुके आरोपियों के पक्ष में उत्पन्न कानूनी स्थिति को सरकारी तंत्र की देरी के कारण अनिश्चितकाल तक चुनौती के दायरे में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने उपलब्ध तथ्यों और देरी के लिए बताए गए कारणों पर विचार करने के बाद 430 दिन के विलंब को पर्याप्त रूप से स्पष्ट नहीं पाया। लिहाजा देरी माफ करने से इनकार कर दिया गया। परमाण्वस्वरूप लोकायुक्त की अपील आगे विचारण के लिए स्वीकार नहीं हो सकी और उसे भी खारिज कर दिया गया।

भगवान दास पटेल देंगे स्वस्थ हृदय का संदेश

डॉ. पुष्पराज व डॉ. कावेरी शाह पटेल करेंगे नेतृत्व

विश्व हृदय दिवस पर 29 को निकलेगी 12वीं 'हेल्दी हार्ट वॉक'

जबलपुर। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर हृदय स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 29 सितंबर को शहर में 12वीं 'हेल्दी हार्ट वॉक' रैली आयोजित की जाएगी। गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल, हार्ट रिसर्च एसोसिएशन जबलपुर एवं पटेल क्लिनिक के संयुक्त तत्वाधान में होने वाली रैली का नेतृत्व हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पराज पटेल एवं डॉ. कावेरी शाह पटेल करेंगे। रैली सुबह 8 बजे गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल, गोमाता चौक, राइट टाउन से शुरू होगी। इसमें अस्पताल स्टाफ, नर्सिंग एवं कॉलेज विद्यार्थी तथा शहर के नागरिकों के साथ स्टेडियम ग्रुप ऑफ वॉर्कर्स, रोटरी क्लब, इनर व्हील क्लब, जबलपुर स्त्री विशेषज्ञ संघ, वूमेन विंग्स और नारीमंगल

समिति सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सदस्य शामिल होंगे। फिल्म 'हनुमान अंश' में चरित्र भूमिका निभाने वाले भगवान दास पटेल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और रैली का शुभारंभ कर स्वस्थ हृदय का संदेश देंगे। रैली के माध्यम से नियमित पैदल चलने, व्यायाम, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति

लोगों को जागरूक किया जाएगा। विश्व हृदय दिवस पर 'हेल्दी हार्ट वॉक' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है, जिसमें नर्सिंग कॉलेज, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, विभिन्न संस्थाओं के सदस्य एवं व्यक्तिगत प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा 29 सितंबर को कार्यक्रम के दौरान की जाएगी।

संविदा उपयंत्रियों को 50 प्रतिशत

आरक्षण का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने समूह-तीन उपयंत्री, मानचित्रकार, प्रयोगशाला तकनीशियन सहित अन्य समकक्ष पदों की भर्ती में संविदा कर्मचारियों को 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं देने के मामले में राज्य सरकार सहित संबंधित अनावेदकों को नोटिस जारी किए हैं। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी मनोज कुमार हल्दकार और

प्रशांत कुररिया की ओर से कहा गया कि सामान्य प्रशासन विभाग के 22 जुलाई 2023 के दिशा-निर्देशों की कलाज 1.10 के अनुसार सीधी भर्ती में संविदा कर्मचारियों के लिए 50 प्रतिशत पद आरक्षित किए जाने हैं, लेकिन कर्मचारी चयन मंडल की विज्ञप्ति में इसका पालन नहीं किया गया। याचिकाकर्ता प्रशांत कुररिया 10 वर्ष से संविदा उपयंत्रियों के रूप में

कार्यरत हैं। अधिकतम आयु सीमा पार होने के कारण वे आवेदन नहीं कर पा रहे थे। कोर्ट ने उन्हें भौतिक रूप से आवेदन प्रस्तुत करने और परीक्षा में बैठने की अनुमति दी है। हालांकि उनका चयन याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी, लेकिन अंतिम नियुक्तियां याचिका के निर्णय के अधीन होंगी।

बेटियों से है मुस्कान

बेटियों से ही है ये जहान

International Daughter's Day

के इस मौके पर दिवसा हर्बल्ज़ प्रा. लि. आपको दे रही है
Roop Mantra Apple Cider Detox (500ml)
के एक पैक की खरीद पर एक पैक बिल्कुल फ्री

1+1
Buy One, Get One FREE
No Shipping Charges



ऑफर केवल आज के लिए मान्य है

Terms & Conditions

1. दिए गए QR कोड को अपने मोबाइल से स्कैन करें या हमारी वेबसाइट www.divisastore.com पर जायें।

2. यह उपहार केवल उपभोक्ताओं के लिए है, यह सुरक्षित पैक होगा जिसे दुकानदार नहीं बेच पाएंगे।

3. *Shipping charges are free (PREPAID) inclusive of all taxes.

4. *As on 1+1 discount offer, Buy One unit of Roop Mantra Apple Cider Detox-500ml, worth M.R.P.: ₹325.00 get one pack absolutely free.

5. No Coupon Code required for this offer.

6. No return or replacement policy will be applicable for this offer.

7. All rights Reserved.

Payment Mode: **RoPay** **VISA**   **PAYtm**  

24x7 Helpline: 872596666 | www.roopmantra.com | Available at all medical & general stores



हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचित महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिखाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) – 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिखाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) – 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240